

पीएम मोदी की 2025 की विदेश यात्रा पर 187 करोड़ रुपये खर्च हुए, सरकार ने दी जानकारी

एजेंसी ।

नये दिल्ली, छह आसत प्रथानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वर्ष 2025 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन और जापान समेत 23 देशों की यात्राओं पर 180 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। विदेश मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को राज्यसभा में एक लिखित जवाब में प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं को लेकर देखावार और वर्षवार आंकड़े साझा किए गए। इसके अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर करीब 74.58 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इसमें छह से 11 जुलाई 2025 को इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा भी शामिल हैं। आप के सजय सिंह और माहका के वी. शिवदास ने विदेश मंत्रालय से 2021 से अब तक प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का विदेशवार विवरण और इन यात्राओं पर हुए खर्च का वर्षवार एवं यात्रा-वार ब्योरा मांगा था। विदेश मंत्री पबित्र मारगिरिटा ने अपने जवाब में प्रधानमंत्री द्वारा 2021 से की गई विदेश यात्राओं और प्रत्येक यात्रा पर हुए खर्च का वर्षवार तथा यात्रा-वार विवरण दिया। इसके अनुसार, प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा (2011) पर 10,74,27,363 रुपये, रूस यात्रा (2013) पर 9,95,76,890 रुपये, फ्रांस यात्रा (2011) पर

A photograph of Narendra Modi, Prime Minister of India, speaking at a podium. He is wearing a white shirt and a tan Nehru jacket. The podium has a blue sign that reads "Presidenza del Consiglio dei Ministri". Behind him is the Indian national flag and a blue backdrop with the "PALAZZO DI GIUSTIZIA" logo.

3,33,49,463 रुपये और जर्मनी यात्रा (2013) पर 6,02,23,484 रुपये खर्च हुए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये आंकड़े महंगाई या मुद्रा विनिमय दर में बदलाव को समायोजित किए हैं। वास्तविक रूप से, दर्शाते हैं। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री की विभिन्न देशों की यात्राओं पर करीब 187 करोड़ रुपये खर्च हुए। इनमें से फ्रांस यात्रा पर 25,59,82,902 रुपये, अमेरिका पर 16,54,84,302 रुपये, सऊदी अरब यात्रा पर 15,54,03,792.47 रुपये, ब्राजील यात्रा पर 17,72,22,14 रुपये, चीन यात्रा पर 10,59,90,561 रुपये और ब्रिटेन यात्रा पर

₹91,55,061.39 रुपये खर्च हुए। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने 2025 में मॉरीशस, थाईलैंड, श्रीलंका, साइप्रस, कनाडा, कोशियारिया, घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, नामीबिया, मालदीव, जापान, भूटान, दक्षिण अफ्रीका, जॉर्डन, ओमान और इथियोपिया की भी यात्रा की। सरकार ने 11 जुलाई 2025 में राज्यसभा में एक अन्य लिखित जवाब में बताया था कि 2021 से 2024 तक प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर कुल खर्च करीब 295 करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री की वर्ष 2024 में रूस, यूक्रेन, अमेरिका और ब्राजील समेत 16 देशों की यात्राओं पर

करीब 109 करोड़ रुपये, वर्ष 2023 में करीब 93 करोड़ रुपये, वर्ष 2022 में 55.82 करोड़ रुपये और वर्ष 2021 में करीब 36 करोड़ रुपये खर्च हुए। वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नू बालादेश, अमेरिका, इटली और ब्रिटेन की यात्रा की थी। इन यात्राओं पर क्रमशः 1,00,71,288 रुपये, 19,63,27,806 रुपये, 6,90,49,376 रुपये और 8,57,41,408 रुपये खर्च हुए थे। विदेश मंत्रालय से इन यात्राओं के दौरान हुए द्विपक्षीय समझौतों और समझौता ज्ञापनों (एमओयू), घोषित निवेश प्रतिबद्धताओं तथा इनके परिणामस्वरूप भारत में आए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का देशवार विवरण भी मांगा गया था। मार्गरेटा ने कहा, "प्रधानमंत्री की उच्चस्तरीय विदेश यात्राएं अन्य देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने और द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर पर भारत की भागीदारी को बढ़ावा देने का र्थापित माध्यम हैं। इन यात्राओं के दौरान हुए समझौतों और सहयोगी प्रोग्रामों, नवाचार, व्यापार एवं निवेश, रक्षा, ऊर्जा सहयोग और मजबूत आपूर्ति शृंखलाओं समेत कई क्षेत्रों में साझेदारी को मजबूत करने में मदद करती हैं।"

समाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को जनपद अम्बेडकरनगर का दौरा करेंगे। अम्बेडकरनगर तहसील आलापुर अंगणत विकासखंड रामनगर स्थित पूर्वांचल के सुप्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन स्थल गोविंद साहब में उनका दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान वह विधानसभा क्षेत्र टांडा, आलापुर और जलालपुर क्षेत्रों में कुल 706.81 करोड़ रुपये की लागत वाली 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम में तीनों विधानसभा क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, बिजली, पर्यटन, लोक निर्माण और कौशल विकास सहित अनेक विभागों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं को नई गति मिलेगी। इन परियोजनाओं से स्थानीय लोगों को बेहतर सड़कें, सस्कर पेयजल, बिजली आपूर्ति और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। टांडा विधानसभा क्षेत्र में 69 परियोजनाओं पर 217.69 करोड़ रुपये, आलापुर में 75 परियोजनाओं पर 312.18 करोड़ रुपये तथा जलालपुर में 50 परियोजनाओं पर 176.93 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें से शिलान्यास कार्यों की संख्या 36 हैं और लागत 145.98 करोड़ रुपये हैं, जबकि लोकार्पण कार्यों की संख्या 158 और लागत 560.83 करोड़ रुपये हैं। इस दौरे से अम्बेडकरनगर में विकास का नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार पिछड़े और विकास की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रों में तेज गति से कार्य कर रही है। टांडा, आलापुर

और जलालपुर जैसे क्षेत्रों में इन परिyoजनाओं के पूरा होने से जनजीवन सुगम बनेगा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल होने वाले हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जन्मस्थली को संबोधि देत करेंगे तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र और प्रमाणपत्र भी वितरित करेंगे। यह दौरा न केवल भौतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा बल्कि कौशल विकास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को भी नई रफ्तार देगा। मुख्यमंत्री के आगमन से क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर कोने तक विकास की किरण पहुंचे। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोक निर्माण से लेकर कौशल विकास तक अनेक जनहित कार्यों की एक साथ शुरुआत होगी, जो अम्बेडकरनाम को प्रगति के पथ

पर और आगे ले जाया। विधानसभा क्षेत्र आलापुर में लोकार्पित होने वाले कुछ कार्यआंशानगर बड़ी पण्डेली पिच से कटवत कट दी गांव तक सम्पर्क मार्ग एन०एन०-233 के किमी०-162 से दाएं कनकपुर होते हुए रुस्तमपुर तक सम्पर्क मार्ग मंझरिया सम्पर्क मार्ग चकमसेना हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग, बड़ बिगुण खास सम्पर्क मार्ग रन्नुपुर र्गिया खास सम्पर्क मार्ग, समैसा सोनहू सम्पर्क मार्ग जैती हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग, गंगासागर खास सम्पर्क मार्ग, नसीरपुर छितौना हरिजन बस्ती, किन्नुपुर हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग, जोलहापुर हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग आदि विधानसभा क्षेत्र टाण्डा के लोकार्पित होने वाले कार्य राजस्व ग्राम सेमरा नसीरपुर के डिहवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य राजस्व ग्राम लखनपुर के पण्डेलिया सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व ग्राम वाहिद पट्टी के खास सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य राजस्व ग्राम नौरही रामपुर

किर्मा का पुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व बीबीपुर का के उसरा भरौटी सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य आदि विधानसभा क्षेत्र जलालपुर में लोकार्पित होने वाले कार्य बन्दीपुर रोड से जैतपुर दक्षिण पुरवा मार्ग के पुर्ननिर्माण कार्य। नेवादा अमोला से उदया सम्पर्क मार्ग के पुर्ननिर्माण कार्य। आजपनारा से चकिया सम्पर्क मार्ग, जमलापुर चमरोटी सम्पर्क मार्ग, मालीपुर धमरूआ नेमपुर घाट मार्ग, मालीपुर जलालपुर रामगढ मार्ग आदि। है। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियां पूरी, व्यवस्थाओं का डीएम ने किया निरीक्षण जिलाधिकारी ईश प्रिया ने बाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित दौरे को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम स्थल से लेकर सुरक्षा, यातायात, पेयजल, चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की लगातार समीक्षा की गई है।

इधर विपक्ष हंगामा करता रह गया, उधर मोदी मंत्रिमंडल ने देश के लिए दो बड़े महत्वपूर्ण फैसले ले लिये

एजेंसी ।

दिल्लो। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रमूह कि इस योजना को छह करोड़ स्तंभों पर तैयार किया गया है। इनमें उत्पाद की सुनिश्चित खरीद, मूल्य स्थिरता, पूंजीगत सहायता, पाइपलाइन अवसरचना का विकास, ऋण गारंटी और नववाचार के लिए कोलैज फंड शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में दो महान निर्णय लिये गए। बैठक के बाद मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने 32 हजार 701 करोड़ रुपये के कुल निवेश को दो बड़े फैसलों को मंजूरी दी है। इनमें 23 हजार 731 करोड़ रुपये की गोबरधान (GOBardhan) योजना तथा असम में बाईहाटा चारियाली से तेजपुर तक 8 हजार 970 करोड़ रुपये की लागत से चार लेन राजमार्ग का निर्माण शामिल है। वैष्णव ने बताया कि गोबरधन योजना उद्देश्य (CBG) में संपीडित बायो-गैस (देग) के उत्पादन और वितरण को नई गति देना है, ताकि ऊर्जा

क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूती मिले। सरकार का कहना है कि भारत अपनी प्राकृतिक गैस की लगभग 50 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी करता है और हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण ऊर्जा सुरक्षा नई चुनौती बनकर



उभरी है। ऐसे में घरेलू स्तर पर उत्पादित बायो-गैस इसका स्थायी समाधान साबित होगी। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासीनी ने कहा कि इस योजना को छह प्रमुख स्तंभों पर तैयार किया गया है। इनमें उत्पाद की सुनिश्चित खरीद, मूल्य स्थिरता, पूंजीगत सहायता, पाइपलाइन अवसरंचना का विकास, ऋण गारंटी और नवचार्ज के लिए चैलेंज फंड शामिल

हैं। प्रत्येक बायो-गैस संपन्न को सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क या ट्रंक पाइपलाइन से जोड़ा जाएगा। सरकार समर्थित मूल्य व्यवस्था से वैश्विक ईंधन कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर कम होगा। साथ ही एमएसएमई आधुनिकीकरण परियोजनाओं को 85 प्रतिशत तक ऋण गारंटी और संपत्तों के लिए पूंजीगत सहायता भी दी जाएगी। हम आपको बता दें कि सरकार का अनुमान है कि

अगले दस वर्षों में इस योजना से सिबीजी उत्पादन दस गुना तक बढ़ेगा, ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटेगी और 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत होगी। इसके अलावा 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान राष्ट्रीय जीडीपी में होगा, डेढ़ लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे, 10 मिलियन मीट्रिक टन जीवाश्म ईंधन का विकल्प

थायार होगा, 40 मिलियन टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और 250 मिलियन मीट्रिक टन जैविक उर्वरक का उत्पादन होगा। इसके अलावा, कैबिनेट ने असम में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर बाईहाटा चारियाली (गुवाहाटी के निकट) से मिशन चारियाली (तेजपुर के निकट) तक 135.87 किलोमीटर लंबे चार लेन राजमार्ग निर्माण को भी मंजूरी दी है। यही परियोजना 8 हजार 970 करोड़ रुपये की लागत से बीओटी (टोल) मॉडल पर विकसित की जाएगी। इसमें अत्याधुनिक मिशन आधारित निर्माण तकनीक (AIMC), ओपन टोलिंग और एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। हम आपको बता दें कि सरकार के अनुसार बहा राजमार्ग तेजपुर जैसे महत्वपूर्ण रक्षा केंद्र तक रणनीतिक संपर्क को मजबूत करेगा, असम और अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख आर्थिक केंद्रों के बीच संपर्क बढ़ाएगा, माल ढुलाई को गति देगा और गुवाहाटी-तेजपुर की यात्रा का समय लगभग साढ़े तीन घंटे से घटकर करीब 1.7 घंटे रह जाएगा।

यूपी में 1,100 करोड़ के निवेश का मौका, पीपीपी माडल पर 18 शहरों में बनेंगे आधुनिक प्रीमियम बस स्टेशन, निविदाएं जारी

संवाददाता ।

प्रदेश के परिवहन ढाँचे को आधुनिक और व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) ने पीपीपी मॉडल के तहत फेज-2 में प्रदेश के 18 आधुनिक प्रीमियम बस स्टेशनों एवं वाणिज्यिक परिसरों के विकास के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं। इसके जरिए निवेशकों को परिवहन अवसरचना के साथ-साथ रिटेल, होटल, फूड कोर्ट, ऑफिस स्पेस, मल्टीप्लेक्स और अन्य व्यावसायिक गतिविधियाँ जैसे निवेश का अवसर मिलेगा। यूपीएसआरटीसी के मुताबिक इन परियोजनाओं में 1,100 करोड़ रुपये

से अधिक को निवेश की संभावनाएँ हैं। प्रस्तावित बुस स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त होने के साथ शहरों के प्रमुख एवं व्यावसायिक स्थानों पर विकसित किए जाने की योजना है। इससे बस यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ मिलने के साथ संबंधित शहरों में आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियाँ को भी गति मिलने की उम्मीद है। 90 प्रति तक की कंसेशन अवधि का प्रावधान योजना की प्रमुख विशेषताओं में 90 प्रति तक की कंसेशन अवधि शामिल है। निवेशकों के लिए दीर्घकालिक एवं स्थिर व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परियोजनाओं में रीटेल, होटल, फूड प्लेन्ट्स, ऑफिस स्पेस और मल्टीप्लेक्स जैसे गतिविधियों के लिए वाणिज्यिक



क्षेत्र (कॉमर्शियल स्पेस) विकसित किए जाएंगे। इससे बस स्टेशन केवल आवागमन के केंद्र न रहकर आधुनिक ट्राजिट-कमर्शियल हब के रूप में विकसित हो सकेंगे। 10 अगस्त तक जमा होगी निविदानिविदा जमा करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026 को दोपहर 2 बजे तक निर्धारित की गई है।

निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी
यूपीएसआरटीसी की वेबसाइट पर

A yellow and black Tata bus is shown, with the text "100% Electric Bus" visible on its side. The bus is parked outdoors, and a building is visible in the background.

यूपी में 'हर घर तिरंगा' अभियान, 5 करोड़ घरों पर फहरेगा राष्ट्रीय ध्वज, सभी 75 जिलों में गुंजेगे देशभक्तिके तराने

, संवाददाता ।

लखनऊ। राष्ट्र नायकों को सम्मान देने के साथ ही भावी पीढ़ी में देशभक्ति का संचार करने के लिए डबल इंजन सरकार 'हर घर तिरंगा' अभियान का आयोजन कर रही है। इस अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 5 करोड़ घरों में तिरंगा फहराया जाएगा। इसके साथ ही देशभक्ति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम भी होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी आयोजनों को जनपदाधीनारी के साथ मनाने का निर्देश दिया है। इस श्रृंखला में राजधानी लखनऊ समेत सभी 75 जनपदों में 'तिरंगा संगीत समारोह' (तिरंगा कॉन्सर्ट) का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रभक्ति के गीतों-नृत्यों

पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी।
हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत भव्य तिरंगा महोत्सव भी होगा। इसके अंतर्गत तिरंगा मेला व भव्य तिरंगा म्यूजिकल कॉन्सर्ट भी आयोजित किया जाएगा। इसमें जनप्रतिनिधियों

के साथ ही जनसहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। तिरंगा कॉन्सर्ट में नामचीन कलाकारों के साथ ही स्थानीय कलाकारों को भी मौका दिया जाएगा। सभी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहेंगी। प्रदेश के सभी 75 जनपदों

में होगा तिरंगा कॉन्सर्ट तिरंगा कॉन्सर्ट का आयोजन राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के सभी 75 जनपदों में होगा। इस मौके पर स्वतंत्रता संग्राम व विभिन्न युद्धों में शहीद हुए सैनिकों के परिजनों को भी सम्मानित किया जाएगा।

एजेंसी ।

दिल्ली। सूत्रों के अनुसार, सरकार परिसीमन बिल और महिला आश्रण बिल पास कराने को लेकर आश्वस्त हैं, पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस का समर्थन वांछनी है। किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी से संसद के गतिरोध को रोकना करने और इन विधेयों पर सहयोग बढ़ाने हेतु बातचीत की, जिस पर राहुल ने पक्ष। गठबंधन से परामर्श का आश्वासन दिया। सरकार देशहित में विश्वसन सहयोग को महत्वपूर्ण बता रही है, बावजूद इसके कि विपक्ष पर संसद बाधित करने के आरोप हैं। संसद के लगभग तीनों हफ्ते तक ठप रहने के बाद, गुंफार

को किरन रिजिजू ने फिर से राहुल गांधी से बात की। इस बातचीत में सदन में गतिरोध खत्म करने और महिला आरक्षण व परिशिष्टन के लिए समर्थन बढ़ाने पर चर्चा हुई। राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले पर सरकार से बातचीत करने से पहले वह INDIA कठबंधन की सभी पार्टियों से सलाह-मशविरा करेंगे। सरकार सूर्यों के अनुसार, बिल पास करने के लिए जरूरी संख्या पहले ही हाथ जुटाई जा चुकी है। हालाँकि, चूँकि कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी है, इसलिए सरकार उन्हें भी साथ लाना चाहती है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू

ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राहुल गांधी के साथ हमने अच्छी बातचीत हुई। हमने उनसे एक खास मुद्दे पर बात की और दूसरे विषयों पर भी चर्चा की। हम काँग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ लगातार बातचीत बनाए रखना चाहते हैं और मिलकर काम करना चाहते हैं। हम भले ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हों, लेकिन दुश्मन नहीं हैं। इसलिए, हमें देशहित में मिलकर काम करना चाहिए। हालांकि, बाहर ऐसी धारणा बनाई जा रही है कि वे किसी भी कीमत पर संसद को चलने नहीं देना चाहते। लेकिन इससे नुकसान किसका होगा? उन्होंने

आगे कहा कि गृह मंत्री ने बिल पेश किए हैं और वे सुबह से शाम तक संसद में मौजूद रहते हैं। जाहिर है, जिस मंत्री का बिल सदन में विचाराधीन होता है, वे सदन में मौजूद रहते हैं। किरेन रिजिजू ने कहा कि गृह मंत्री और प्रधानमंत्री सुबह से शाम तक संसद में मौजूद रहते हैं, लेकिन विपक्ष के सदस्य खुद सदन को चलने नहीं देते इसके बजाय, वे बाहर नाराबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है... राज्यसभा में कांग्रेस और कुछ सहयोगी दलों के वॉकआउट करने के बावजूद, बिलों को पूरी चर्चा के बाद पास किया जा रहा है।

ठाकुरगंज में बंद पड़ी धान मिल में सांड की हत्या, तीन हिरासत मेंय वैज्ञानिक साद्यों के आधार पर जांच तेज

लखनऊ, (आरएनएस)। राजधानी के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के न्यू हैदरगंज स्थित एक बंद पड़ी धान मिल में गौवंश (सांड) का गला काटकर हत्या किए जाने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही ठाकुरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और पशु चिकित्सक तथा फोरेंसिक टीम की मौजूदगी में घटनास्थल का गहन निरीक्षण कर वैज्ञानिक एवं भौतिक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने घटना के शीघ्र खुलासे के लिए विशेष टीमों का गठन करते हुए जांच तेज कर दी है। मामले में तीन व्यक्तियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।पुलिस के अनुसार, 5 अगस्त 2026 को न्यू हैदरगंज स्थित एक बंद पड़ी धान मिल में गौवंश (सांड) का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पूरे घटनास्थल को सुरक्षित कर फोरेंसिक प्रक्रिया शुरु कराई गई। पशु चिकित्सक एवं फील्ड यूनिट की टीम ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर आवश्यक वैज्ञानिक एवं भौतिक साक्ष्य संकलित किए। इसके साथ ही घटनास्थल की फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और अन्य आवश्यक वैधानिक कार्यवाही भी पूरी की गई।पशु चिकित्सक द्वारा परीक्षण के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए गौवंश के शव को चिन्हित स्थान पर दफन कराया गया। घटना के संघर्ष में ठाकुरगंज थाने में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरु कर दी गई है।घटना के अनावरण के लिए पुलिस ने कई टीमों का गठन किया है। जांच के दौरान आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके अलावा तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है तथा स्थानीय लोगों से भी विस्तृत पूछताछ की गई। अब तक की जांच और उपलब्ध वैज्ञानिक एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर तीन व्यक्तियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन एवं निष्पक्ष विवेचना की जा रही है। जांच में सामने आने वाले सभी तथ्यों, वैज्ञानिक साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कमिश्नरेट पुलिस ने स्पष्ट किया है कि घटना में संलिप्त पाए जाने वाले सभी दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों पर लखनऊपुलिस का विशेष प्रशिक्षण, सवेदनशील और समावेशी पुलिसिंग पर दिया गया जोर

लखनऊ, (आरएनएस)। ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों की सुरक्षा तथा उनके प्रति संवेदनशील एवं सम्मानजनक पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कमिश्नरेट लखनऊ ने गुरुवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित संगोष्ठी सदन में विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में 120 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2०19 एवं नियमावली, 2020 के प्रावधानों के साथ व्यवहारिक और कानूनी पहलुओं की जानकारी दी गई।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के क्रम में पुलिस आयुक्त तरुण क्रा के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध

एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार तथा पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अमित कुमारवत के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। वहीं पुलिस उपायुक्त महिला अपराध एवं सुरक्षा ममता रानी तथा सहायक पुलिस उपायुक्त महिला अपराध I शाहिदा नसरीन ने कार्यक्रम के सफल संचालन की जिम्मेदारी निभाई।कार्यशाला में कमिश्नरेट के सभी थानों पर तैनात अतिरिक्त निरीक्षक, वरिष्ठ उपनिरीक्षक, वर्ष 2023 बैच के उपनिरीक्षक तथा पिक बूथ पर नियुक्त महिला आरक्षियों सहित कुल 120 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का संचालन पहल महानिदेशक के निर्देशों के क्रम में पुलिस आयुक्त तरुण क्रा के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध

जानकारी दी।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 एवं नियमावली, 2020 के प्रावधानों से अवगत कराना, ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करना तथा उनकी शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष और सम्मानजनक निस्तारण सुनिश्चित करना था। अधिकारियों को बताया गया कि प्रत्येक ट्रांसजेंडर व्यक्ति को संविधान द्वारा समानता, गरिमा और स्वतंत्र जीवन का अधिकार प्राप्त है तथा पुलिस का दायित्व है कि वह बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों को सुरक्षा, सम्मान और न्याय उपलब्ध कराए।कार्यशाला में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संवैधानिक, विधिक एवं मानवाधिकारों, शिकायतों के निस्तारण के दौरान

गोपनीयता और मानवीय दृष्टिकोण बनाए रखने, समुदाय के साथ विश्वास आधारित संवाद स्थापित करने तथा समाज में समावेशिता और समान अवसर सुनिश्चित करने में पुलिस की से अवगत कराना, ट्रांसजेंडर से चर्चा की गई।इस दौरान प्रतिभागियों को थाना कैसरबाग में स्थापित ट्रांसजेंडर हेल्पडेस्क के सफल संचालन, उद्देश्य और उपलब्ध सुविधाओं की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि हेल्पडेस्क के माध्यम से ट्रांसजेंडर समुदाय को आवश्यक विधिक सहायता, मार्गदर्शन और सुरक्षित, सम्मानजनक और समान पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराना उसकी प्राथमिकता है।

किसान पथ पर भीषण सड़क हादसा डीसीएम ट्रक से टकराई, चालक-परिचालक की मौतय घंटों चले रेस्क्यू के बाद निकाले गए शव

लखनऊ, (आरएनएस)। राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में आउटर रिग रोड (किसान पथ) पर बुधवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में डीसीएम चालक और परिचालक की दर्दनाक मौत हो गई। गहरू अंडरपास के निकट तेज रफतार डीसीएम आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई, जिससे वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार दोनों लोग बुरी तरह फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस, एम्बुलेंस, एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और अत्याधुनिक रेस्क्यू उपकरणों की मदद से वाहन को काटकर दोनों को बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें

मृत घोषित कर दिया।पुलिस के अनुसार, 5 अगस्त 2026 की रात करीब 10:45 बजे थाना सरोजनीनगर पुलिस को सूचना मिली कि किसान पथ पर गहरू अंडरपास के पास दो मालवाहक वाहनों की टक्कर हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। जांच में सामने आया कि ट्रक संख्या NL01K6374 सरोजनीनगर की ओर से बिजनौर की दिशा में जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही डीसीएम संख्या UP92AT3170 अनियंत्रित होकर ट्रक से जा टकराई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डीसीएम का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और चालक व परिचालक केबिन में बुरी तरह

फंस गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल एम्बुलेंस, एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया। संयुक्त रेस्क्यू अभियान के दौरान विशेष उपकरणों से वाहन को काटकर दोनों घायलों को बाहर निकाला गया और तत्काल लोकबंधु अस्पताल, कृष्णानगर भेजा गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने ई—चालान एप के माध्यम से डीसीएम के स्वामी का विवरण प्राप्त कर मृतकों की पहचान कराई। मृतकों की पहचान शैलेन्द्र बुरा वकील सिंह (39 वर्ष) निवासी बरियारपुर, थाना कुौंद, जनपद जालौन, जो वाहन चालक थे, तथा राजा भैया पुत्र स्वर्गीय लालजी (35 वर्ष) निवासी

बरियारपुर, थाना कुौंद, जनपद जालौन, जो परिचालक थे, के रूप में हुई। पुलिस ने घटना की सूचना तत्काल दोनों मृतकों के परिजनों को दे दी।दुर्घटना के बाद क्रैन की सहायता से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात को सामान्य कराया गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं। शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की विधिक कार्रवाई कराई जा रही है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

घुमंतू विकास बोर्ड से बदलेगी विमुक्त एवं घुमंतू समाज की तस्वीर, सम्मानजनक जीवन और सरकारी योजनाओं का मिलेगा पूरा लाभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब घुमंतू समाज को दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। डबल इंजन की सरकार उन्हें सम्मानजनक जीवन, स्थायी पहचान और शासन की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गठित घुमंतू विकास बोर्ड केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित विमुक्त एवं घुमंतू समाज को न्याय, सम्मान और अवसर दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा। प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा घुमंतू विकास बोर्ड के गठन के निर्णय के बाद गुरुवार को आयोजित समाज के आभार एवं अनिर्दिद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए र्सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ा रही है। बिना किसी जाति, क्षेत्र, भाषा अथवा भेदभाव के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की इसी सोच का विस्तार घुमंतू विकास बोर्ड है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों ने वर्ष 1871 के क्रिमिनल ट्राइब एक्ट के माध्

यम से उन वीर समुदायों को अपराधी घोषित कर दिया था, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्वतंत्र भारत में डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इस अन्याय को समाप्त करते हुए इन समुदायों को विमुक्त जाति का सम्मान दिलाया, लेकिन लंबे समय तक उनके समुचित विकास के लिए अपेक्षित प्रयास नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर इन समुदायों के लिए आयोग का गठन हुआ और उसी भावना के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार ने घुमंतू विकास बोर्ड के गठन का निर्णय लिया है।मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष घुमंतू समाज के सम्मेलन में बोर्ड गठन की मांग उनके समक्ष रखी गई थी और उसी समय उन्होंने इसकी घोषणा की थी। अब बोर्ड के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि बोर्ड में विभिन्न घुमंतू एवं विमुक्त जातियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि उनकी समस्याएं सीधे सरकार तक पहुंचें और विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके।मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने वनटांगिया, मुसहर, थारू, गौड़, चेरो, बुस्पा, कोल और सहरिया सहित अनेक वंचित समुदायों को पहली बार

शासन की योजनाओं से व्यापक रूप से जोड़ा है। राशन कार्ड, भूमि के पट्टे, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास, आयुष्मान भारत कार्ड, नि:शुल्क बिजली एवं गैस कनेक्शन, पेंशन योजनाओं सहित अनेक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ इन समुदायों तक पहुंचाया गया है। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सभी योजनाओं से शत-प्रतिशत आच्छादित करना है।उन्होंने कहा कि सरकार ने उपेक्षित समाज के महापुरुषों और वीरांगनाओं को भी उचित सम्मान दिलाने का कार्य किया है। श्रृंगवेरपुर में निषादराज गुहा की प्रतिमा, बहराइच में महाराजा सुहेलदेव विजय स्मारक, जनजातीय संग्रहालय, महाराजा सुहेलदेव के नाम पर विश्वविद्यालय एवं मेडिकल कॉलेज, वीरांगना अवतीर्बाई लोढ़ा, ऊदा देवी पासी और झलकारी बाई के नाम पर महिला पुलिस बटालियन तथा महारानी दुर्गावती के नाम पर मेडिकल कॉलेज इसके प्रमुख उदाहरण हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बच्चों के लिए आश्रम पद्धति विद्यालय तथा श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं, जहां आधुनिक शिक्षा के साथ आवास और भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार श्रमिकों,

स्ट्रीट वेंडरों, विद्यार्थियों, युवाओं तथा विमुक्त एवं घुमंतू समाज सहित प्रत्येक वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि अब कोई भी इन समुदायों को 'क्रिमिनल ट्राइब' नहीं कह सकता। ये वे वीर समुदाय हैं जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। घुमंतू विकास बोर्ड इन समुदायों की पहचान सुनिश्चित कर उन्हें शासन की सभी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेगा। मुख्यमंत्री ने सपेरा समाज का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यह समुदाय प्राचीन काल से गुरु गोरखनाथ की परंपरा से जुड़ा रहा है। विदेशी आक्रमणों के समय जब संचार के आधुनिक साधन उपलब्ध नहीं थे, तब यही समाज भजन और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के माध्यम से लोगों को सचेत करने का कार्य करता था। आज भी यह समाज घुमंतू जीवन व्यतीत कर रहा है और राज्य सरकार उन के सम्मानजनक पुनर्वास तथा समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।इस अवसर पर समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि घुमंतू विकास बोर्ड का गठन विमुक्त एवं घुमंतू समाज के लिए ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय है।

अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे समेत 2 की सड़क हादसे में मौत

झांसी जेल में बंद भाई से मिलने जा रहा था अबान

प्रयागराज। कुख्यात माफिया अतीक अहमद के परिवार से जुड़ा एक और बड़ा घटनाक्रम गुरुवार को झांसी में सामने आया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार झांसी जेल में बंद भाई अली अहमद से मिलने जा रहे अतीक के सबसे छोटे बेटे अबान की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे में दोस्त सोनू (अहजम) की भी जान चली गई, जबकि कार सवार 3 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा पूछ थाना क्षेत्र के ग्राम खिल्ली में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ।

इसकी पुष्टि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने करते हुए बताया कि पूंछ क्षेत्र के ग्राम खिल्ली में हुए सड़क हादसे में माफिया अतीक अहमद के बेटे की भी मौत हुई है। साथ में उसके एक दोस्त सोनू की भी

जान चली गई। तीनों घायलों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई। गुरुवार सुबह अबान (21) झांसी जेल में बंद बड़े भाई अली से मिलने जा रहा था। क्रेटा कार में 5 लोग सवार थे। झांसी में हाईवे पर अचानक जानवर आ गया। उसे बचाने के चक्कर में कार बेकाबू होकर ड्रिवाइडर से टकरा गई।

पुलिस ने कार सवार पांचों लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने अबान और उसके दोस्त सोनू को मृत घोषित कर दिया। घायलों की पहचान उमर अहमद, मोहम्मद जैद और असलम के रूप में हुई है। हादसा सुबह साढ़े 10 बजे झांसी—कानपुर हाईवे पर पूंछ थाना

अध्यापिका को कार में घसीटा, दुराचार का प्रयास निकाह न करने पर उठा ले जाने की दी धमकी

प्रयागराज। कीडगंज थाना क्षेत्र में स्कूटी सवार युवक ने 20 साल की टीचर को लिफ्ट देने के बहाने किडनैप कर लिया। आरोपी उसे रामबाग स्टेशन के पास ले गया। जहां उसके चार दोस्त कार लेकर खड़े थे। आरोपी ने टीचर को जबरन कार के अंदर खींच लिया। जबकि उसके चारों दोस्त कार के बाहर खड़े रहे। टीचर ने विरोध किया तो आरोपी ने चाचा के विधायक होने की धमकी देते हुए निकाह करने को कहा। इसके बाद आरोपी ने टीचर के साथ रेप करने की कोशिश की तो टीचर चीखने लगी। चीख सुनकर कबाड़ बीनने वाले मौके पर पहुंचे तो आरोपी मौके से कार और स्कूटी लेकर फरार हो गए।

पीड़िता की शिकायत पर कीडगंज पुलिस ने बुधवार को आरोपियों के खिलाफ थ्र्च दर्ज

लगातार तीसरे दिन भी हुई मूसलाधार बारिश तीन दिन में 116.6 मिमी बरसा पानी, कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूल बंद

प्रयागराज। लगातार तीसरे दिन बारिश का सिलसिला जारी है। मंगलवार से शुरू हुई बारिश बुधवार के बाद गुरुवार को भी रुक—रुककर होती रही। गुरुवार सुबह करीब 3 बजे से ही बारिश शुरू हो गई। इससे शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई है।

पिछले तीन दिनों में प्रयागराज में करीब 116.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। लगातार हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आई है और लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। हालांकि, लगातार बारिश के कारण शहर के निचले इलाकों और कई प्रमुख सड़कों पर पानी भर गया है।

बारिश से करेली, चौफटका, खुल्दाबाद केअखबरपुर, दारागंज, अल्लापुर, कटरा, सिविल लाइंस, टैगोर टाउन, नैनी, झुंसी और

पुराने कैंट क्षेत्र की सड़कों व गलियों में भी पानी भर गया। सिविल लाइंस थाना, महिला थाना और जार्जटाउन थाना परिसर तक पानी पहुंच गया, जिससे कई कॉलोनियों में घरों



और दुकानों के बाहर जलजमाव से लोगों को परेशानी हुई। जलभराव के कारण शहर की यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। सिविल लाइंस, धरना स्थल,

क्षेत्र में हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, अबान कार से दोस्तों के साथ सुबह प्रयागराज से झांसी के लिए निकला था। अबान अहमद आगे की सीट पर बैठा था। सोनू गाड़ी चला रहा था। हादसे में दोनों के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौत हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह डैमेज हो गया। हादसे के बाद पांचों कार में फंस गए थे। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर सभी को बाहर निकाला।

अतीक अहमद के 5 बेटे थे। अबान सबसे छोटा था। उमेश पाल हत्याकांड के बाद असद झांसी में एनकाउंटर में मारा गया था। सबसे बड़ा बेटा उमर लखनऊ जेल में है। उससे छोटा बेटा

युवक स्कूटी से आया। उसने लिफ्ट देने की बात कहकर मुझे बैठा लिया। वह मुझे जीवन ज्योति अस्पताल और रामबाग पुल के नीचे के रास्ते से जाने लगा। मैंने टोका कि ये कौन से रास्ते से लेकर जा रहे हो। वह बोला कि यह शॉर्टकट है। वह मुझे रामबाग रेलवे स्टेशन परिसर के अंदर ले गया। वहां कार लेकर उसके चार दोस्त पहले से खड़े थे। मैं जैसे ही स्कूटी से नीचे उतरी उसने मुझे कार के अंदर खींच लिया। उसने कहा कि मैं काफी दिनों से तेरा पीछा कर रहा था। उसने कहा कि मेरे चाचा विधायक हैं। तुम्हें मेहनत करने की जरूरत नहीं है। मैं तुम्हारे परिवार का पूरा खर्च उठाऊंगा। पीड़िता ने बताया कि इसी बीच मेरे फोन पर मेरी दोस्त का फोन आया तो उसने मेरा मोबाइल छीन

अली झांसी जेल में बंद है। चौथे



नंबर का बेटा अहजम है। ज्ञात हो कि 15 अप्रैल 2023 को प्रयागराज में अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या कर दी गई थी। अतीक की पत्नी शाइस्ता अभी फरार है। उस पर एक लाख रुपए का इनाम है।

अध्यापिका को कार में घसीटा, दुराचार का प्रयास निकाह न करने पर उठा ले जाने की दी धमकी

युवक स्कूटी से आया। उसने लिफ्ट देने की बात कहकर मुझे बैठा लिया।

वह मुझे जीवन ज्योति अस्पताल और रामबाग पुल के नीचे के रास्ते से जाने लगा। मैंने टोका कि ये कौन से रास्ते से लेकर जा रहे हो। वह बोला कि यह शॉर्टकट है। वह मुझे रामबाग रेलवे स्टेशन परिसर के अंदर ले गया। वहां कार लेकर उसके चार दोस्त पहले से खड़े थे। मैं जैसे ही स्कूटी से नीचे उतरी उसने मुझे कार के अंदर खींच लिया। उसने कहा कि मैं काफी दिनों से तेरा पीछा कर रहा था। उसने कहा कि मेरे चाचा विधायक हैं। तुम्हें मेहनत करने की जरूरत नहीं है। मैं तुम्हारे परिवार का पूरा खर्च उठाऊंगा। पीड़िता ने बताया कि इसी बीच मेरे फोन पर मेरी दोस्त का फोन आया तो उसने मेरा मोबाइल छीन

लिया। उसने मेरे मोबाइल में अपना नंबर डायल किया। कहा कि इस नंबर पर मुझसे बात करना, नहीं तो मैं तुम्हें दोबारा उठा लूंगा। मैंने विरोध किया तो उसने मेरे साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। रेप करने का प्रयास किया। मैंने शोर मचाया तो वहां से गुजर रहे कबाड़ बीनने वाले कुछ लोग पहुंच गए। जिन्हें देखकर आरोपी मौके से फरार हो गए। मैं किसी तरह से अपने कमरे पर पहुंची और रूम पार्टनर को घटना के बारे में बताया। आरोपी के मोबाइल नंबर को ट्रैकॉलर पर चेक किया। इसमें उसका नाम वाहिद अली लिखकर आया। कीडगंज थानाध्यक्ष प्रीतम तिवारी ने बताया कि 5 अगस्त को लड़की थाने आई थी। उसकी तहरीर पर आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को ट्रेंस कर लिया गया है।

लगातार तीसरे दिन भी हुई मूसलाधार बारिश तीन दिन में 116.6 मिमी बरसा पानी, कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूल बंद

महिला थाना, सिविल लाइंस थाना, स्टेशन रोड, कटरा, दारागंज और करेली की प्रमुख सड़कों पर वाहनों की आवाजाही धीमी पड़ गई। दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों, स्कूली छात्रों और

बाजार जाने वाले लोगों को घुटनों तक पानी से गुजरना पड़ा। कई दोपहिया वाहन पानी में बंद हो गए, जिन्हें लोगों को धक्का लगाकर निकालना पड़ा।

पत्नी के अवैध संबंध के शक में मूक बधिर युवक ने किया ट्रिपल मर्डर मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार, दोनों पैर में लगी गोली

प्रयागराज। पुलिस ने शाहगंज थाना क्षेत्र में हुए ट्रिपल मर्डर का खुलासा कर दिया। पुलिस ने गुरुवार को मूक—बधिर आरोपी को एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है। उसके पास से तमबा, कारतूस और चार मोबाइल फोन मिले हैं।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि मेरी पत्नी के अवैध संबंध थे। इसलिए मैंने पत्नी और उसके प्रेमी और उसकी पत्नी को मार डाला। इसके बाद मैं फरार हो गया। 4 अगस्त को शाहगंज थाना क्षेत्र के गढ़ी सराय (गढ़ी कला) मोहल्ले में किराए के कमरे

से तीन शव मिले थे।शाहगंज के गढ़ी सराय मोहल्ले में 4 अगस्त की सुबह एक किराए के कमरे में दो महिलाओं और एक पुरुष के शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि तीनों मूक—बधिर थे और आसपास कूड़ा बीनकर जीवनयापन करते थे।

सूचना पर पुलिस, फोरेंसिक टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। शाहगंज थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज कर कई टीमें जांच में लगा दी गई थीं। जांच के दौरान मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। पुलिस को 2 अगस्त की रात एक संदिग्ध व्यक्ति घटनास्थल के



वह रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में आता—जाता नजर आया। इसी आधार पर पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी।पुलिस

के अनुसार गुरुवार को मुखबिर से सूचना मिली कि संदिग्ध एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के भगवतपुर मोड़ पर मौजूद है। इसके बाद शाहगंज थाना, एयरपोर्ट थाना और एसओजी नगर की संयुक्त टीम ने भगवतपुर रेलवे अंडरपास के पास घेराबंदी की। पुलिस का दावा है कि रोकने पर आरोपी ने फायरिंग कर दी। जबकी कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लगी और उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस के अनुसार, आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में घटनास्थल की तस्वीरें मिलीं। इसके बाद उससे इशारों की भाषा में पूछताछ की गई।

दिवंगत पत्रकार के परिजनों को मिली आर्थिक सहायता

पत्रकारों ने 1.11 लाख का इ़ाफ़्त सौंपा’

(मथुरा) मथुरा जनपद के पत्रकारों ने सराहनीय पहल करते हुए दिवंगत पत्रकार के परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। जिले के दो पत्रकार संगठनों उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन व वृंदावन प्रेस क्लब सहित कुल 68 पत्रकारों ने एकजुट होकर दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार अरूण श्‍अनुश् के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी पत्‍नी को आर्थिक सहायता राशि के रूप में कुल 1.11,556.00 का डिमांड ड्राफ्ट सौंपा तथा उनके परिजनों को आश्‍वस्त किया कि भविष्य में जनपद के सभी पत्रकार उनके सुख दुख में हमेशा खड़े रहेंगे। इस अवसर पर दिवंगत पत्रकार

अरुण अनु की धर्मपत्‍नी पुष्‍पा ठाकुर ने भावुक होते हुए समस्त पत्रकारों का आभार जताया हुए कहा कि उक्त सहायता मेरे परिवार को संबल प्रदान करेगी। इस अवसर पर इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन (IJU) के राष्ट्रीय सचिव व उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज ने कहा कि यह सहयोग राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि पत्रकार परिवार की एकजुटता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी पत्रकार समाज अपने साथियों के सुख-दुख में इसी

प्रकार साथ खड़ा रहेगा।

इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने दिवंगत पत्रकार अनु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और भरोसा दिलाया कि पत्रकार समाज हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा रहेगा। इस दौरान नरेंद्र भारद्वाज जिलाध्यक्ष उ प्र श्रमजीवी पत्रकार यूनियन, वरिष्ठ पत्रकार उमर कुरैशी,अजय शर्मा,परवेज अहमद, अनेक सिंह, संजय गौड़, रमेश चंद, आरती शर्मा, पिंटू, दिनेश भारती, गौरव शर्मा, सुमित गोस्वामी, लोकेश चौधरी, मोहन मीणा, आर के धनगर, नीरज चतुर्वेदी, रिकू शर्मा, रवनीत मैसी, राहुल कुमार, ब्रजेश सेन आदि शामिल रहे।



समझौता नहीं किया तो मारी गोली..

नामजद आरोपी अब भी फरार, हिंदीशीटरों की गिरफ्तारी न होने से सहमा पीड़ित परिवार

कुड़वार सुल्तानपुर। कुड़वार थाना क्षेत्र में हुए सनसनीखेज गोलीकांड ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुराने मुकदमे में समझौता न करने की कीमत युवक को गोली खाकर चुकानी पड़ी। घटना के बाद पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा तो दर्ज कर लिया, लेकिन अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। रविवार रात करीब 10.30 बजे बंधुआकला थाना क्षेत्र के अतागंज निवासी मिर्जा सफीर बेग अपनी कार से घर लौट रहे थे। महाराजपुर-अझई मार्ग पर पानी की टंकी के पास बाइक सवार हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया। गोली उनके पेट में लगी और वह गंभीर रूप से

घायल हो गए। उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। घायल के भाई मिर्जा आमिर बेग ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि अझई निवासी महमूद, तौहीद, अरशद और सोहेल पुराने जमीन विवाद के मुकदमे में समझौता करने का लगातार दबाव बना रहे थे। समझौता न करने पर जान से मारने की नीयत से गोली मार दी गई। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में एसपी के आदेश पर इन्हीं लोगों के खिलाफ जमीन की खरीद-फरोख्त में कथित जालसाजी और लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोप है कि करीब 68.41 लाख रुपये लेने के बावजूद न तो जमीन का बैनामा किया गया और न ही रुपये लौटाए गए। मामले में पुलिस आरोप पत्र भी

दाखिल कर चुकी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि गोलीकांड जैसे गंभीर मामले में नामजद आरोपी आखिर अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर क्यों हैं? पीड़ित परिवार का आरोप है कि सभी आरोपी अपराधिक प्रवृत्ति के हैं उनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं और वे हिस्ट्रीशीटर हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से परिवार भय और दहशत में है तथा किसी भी समय फिर से जानलेवा हमले की आशंका जता रहा है। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि नामजद आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए और परिवार की सुरक्षा की व्यवस्था की जाए ताकि उन्हें न्याय मिल सके और कानून व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कायम रहे।

राहुल गांधी के प्रयागराज छात्र संवाद को सफल बनाने के लिए मिर्जापुर कांग्रेस ने झोंकी पूरी ताकत

मिर्जापुर। 6 अगस्त को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय मिशन कंपाउंड पर बैठ हुआ बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ शिवकुमार सिंह पटेल ने कहा कि प्रयागराज में जननायक राहुल गाँधी का छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम की गूँज 8 तारीख को हो रहा है बीजेपी सरकार कुछ भी कर ले नौजवानों किसानों की आवाज को बुलंद करने का यह कार्यक्रम होकर रहेगा श्री पटेल ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मिर्जापुर जिला कांग्रेस कमेटी एवं न्याय पंचायत अध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष एवं कांग्रेस के नेताओं ने पूरी ताकत झोंकी है नौजवानों छत्रों से बात हो रही है ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग पाहुंचेंगे याह कार्यक्रम बहुत ऐतिहासिक होगा

बैठक का संचालन करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं प्रवक्ता मिन्हाज अहमद छोटे खान ने कहा कि इलाहाबाद में होने वाले राहुल गांधी का छात्रों से सीधा संवाद से उरी हुई है बीजेपी सरकार श्री खान कहां की जिस तरह पेपर लोक से छात्र दुःखी है और जिस तरह भाजपा सरकार के द्वारा छात्रों की शिक्षा पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया गया है ये अत्यंत निंदनीय है। इस विषय पर छात्रों से संवाद करने जननायक श्री राहुल गांधी जी 8 अगस्त को के. पी. ग्राउंड, प्रयागराज में आ रहे हैं इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मिर्जापुर से भारी संख्या में लोग पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनाया जाएगा और कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा

बैठक में उपस्थित पूर्व नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष दीपचंद जैन सेवा दल के प्रदेश उपाध्यक्ष गुलाबचंद पांडे जफर इकबाल किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आनंद त्रिपाठी रामनाथ दुबे मिथिलेश मिश्रा कपिल कुमार सोनकर राजेंद्र विश्वकर्मा रामकृपाल मोर्य रवि शंकर तिवारी रामराज भारती कन्हैया लाल पाठक रितेश मिश्रा कैलाश प्रजापति शिव शंकर पांडे गुलाब मिश्रा संतोष यादव मुकुंदे मिश्रा राम सहायक सिंह रामराज भारती दिलीप मोर्य जैकी कोल इमरान खान देवराज पटेल विजय दुबे पहाड़ी कन्हैया लाल पाठक संतोष पांडे संतोष यादव राजू भारती आदि ऊपरस्थित रहे



पोषण पाठशाला में आयुष्मान भारत योजना एवं स्तनपान के महत्व पर किया गया जागरूक

सुल्तानपुर । बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में गुरुवार को आयोजित पोषण पाठशाला के अंतर्गत ऑनलाइन वेबकास्ट कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर स्तनपान के महत्व एवं पोस्टमार्टम के दौरान अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी बाल विकास एवं महिला कल्याण तथा निदेशक हर्षिता माथुर बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग उपनिदेशक डा0 अनुष्मा साण्डिल्य तथा विषय विशेषज्ञों ने आयुष्मान भारत योजना के उद्देश्य, पात्रता, गोल्डन कार्ड

के माध्यम से मिलने वाली कैंशलेस स्वास्थ्य सेवाओं तथा योजना का अधिकतम लाभ उठाने के तरीकों पर प्रकाश डाला। साथ ही नवजात शिशुओं के लिए जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरू करने, पहले छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने तथा स्तनपान से माँ और शिशु दोनों को होने वाले स्वास्थ्य लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में डीपीओ, सीडीपीओ, मुख्य सेविकाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां, गर्भवती एवं धात्री महिलाएं, आईसीडीएस के लाभार्थी, 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के अभिभावक तथा आयुष्मान भारत योजना के पात्र लाभार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वेबकास्ट में अर्चना वर्मा (आईएससी), मुख्य कार्यकारी अधिकारी तापसिनी

खेन, वरिष्ठ पोषण विशेषज्ञ तथा आनंद कुमार सिंह, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर पोषण ने अपने विचार साझा करते हुए स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। कार्यक्रम के समापन पर जिला कार्यक्रम अधिकारी शरद कुमार त्रिपाठी ,बाल विकास परियोजना अधिकारी फूल कुमार, दयाराम, राजेन्द्र प्रसाद एवं मुख्य मुख्य सेविकाओं ने कहा कि इस प्रकार की पोषण पाठशालाएं आमजन में स्वास्थ्य, पोषण एवं सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध् यम हैं। उन्होंने सभी लाभार्थियों से आयुष्मान भारत योजना का लाभ लेने तथा शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्तनपान को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

संदिग्ध मौत मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ शुरु की जांच

सुलतानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र में लगभग तीन सप्ताह पहले हुई एक युवक की संदिग्ध मौत के मामले में आखिरकार पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के 19 दिन बाद एफआईआर दर्ज होने से मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अब पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य तकनीकी तथ्यों के आध् ार पर पूरे मामले की गहन जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार बल्दीराय थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत मऊ के पूरे भोला तिवारी गांव निवासी महेश कुमार तिवारी का शव 18 जुलाई की सुबह घर से करीब तीन किलोमीटर दूर दौनौ गांव स्थित

प्राथमिक विद्यालय परिसर में लगे झूले से उनके लोअर (पैंट) के फंदे के सहारे लटका मिला था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। घटना के बाद से ही मृतक के परिजनों ने इसे आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई थी। उनका कहना था कि महेश की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। परिजन लगातार पुलिस अधिकारियों से मिलकर मुकदमा दर्ज कराने की मांग कर रहे थे। लगातार 19 दिनों तक न्याय की गुहार लगाने के बाद

मृतक की पत्नी मिथलेश तिवारी की तहरीर पर बल्दीराय पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद अब पुलिस कई पहलुओं पर जांच कर रही है, जिसमें पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल के भौतिक साक्ष्य, परिस्थितिजन्म्य साक्ष्य तथा तकनीकी साक्ष्यों का परीक्षण शामिल है। थाना प्रभारी महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की वैाग्निक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि किसी भी पहलू को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और जांच निष्पक्ष ढंग से की जाएगी।

कृषि भूमि पर मनमानी प्लाटिंग पर लगेगी लगाम, बिना अनुमति प्लाटिंग करने वालों पर होगी कार्रवाई

सुल्तानपुर। जिले में कृषि योग्य भूमि पर अवैध और अनियंत्रित प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। विनियमित क्षेत्र प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कृषि भूमि को आवासीय या व्यावसायिक प्लाट में बदलकर बेचने से पहले संबंधित भूमि का ले-आउट (संलग्नज) विनियमित क्षेत्र से स्वीकृत कराना और आवश्यक अनुमति लेना अनिवार्य होगा। विनियमित क्षेत्र के अवर अधिन्यता उल्लंघन न होने के बिना अनुमति कृषि भूमि पर प्लाटिंग करने वालों के विरुद्ध विनियमित क्षेत्र के नियमों के तहत कानूनी

कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों की जांच कर संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया जाएगा और संतोषजनक जवाब न मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बताया जा रहा है कि शहर से बाहर विनियमित क्षेत्र की सीमा में कृषि भूमि को कन्न कीमत पर खरीदकर उसे छोटे-छोटे आवासीय प्लाटों में विभाजित कर ऊंचे दामों पर बेचने का कारोबार लंबे समय से बड़े पैमाने पर चल रहा है। इसके चलते पिछले कुछ वर्षों में उपजाऊ कृषि भूमि पर तेजी से बहुमंजिला इमारतें और आवासीय कॉलोनियां विकसित हुई हैं। प्रशासन

का मानना है कि प्रॉपर्टी डीलरों की मनमानी से एक ओर सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं दूसरी ओर बिना स्वीकृत प्लाट खरीदने वाले लोगों को सड़क, नाली, बिजली, पानी तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ कानूनी विवादों जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विनियमित क्षेत्र प्रशासन ने लोगों से भी अपील की है कि किसी भी प्लाट की खरीद-फरोख्त से पहले उसकी वैधता, ले-आउट स्वीकृति और आवश्यक अनुमतियों की जांच अवश्य कर लें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की पंश्यानी का सामना न करना पड़े

गढ़टे में डूबने से दो बालकों की मौत

जौनपुर । बरसठी थाना क्षेत्र के गारोपुर गांव में बुधवार शाम समरसेबुल पंप लगाने के लिए खोदे गए पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। गारोपुर निवासी अच्छेलाल उर्फ पप्पू गौतम ने समरसेबुल पंप लगाने के लिए मंगलवार को बोरिंग कराई थी। बोरिंग के लिए खोदा गया गड्ढा खुला छोड़ दिया गया था, जिसमें पानी भर गया था। गांव के छह वर्षीय शिवा बिंद पुत्र वीरेंद्र बिंद तथा वर्षीय आरव बिंद पुत्र अनिल बिंद खेलते हुए उसी रास्ते से गुजर रहे थे, इसी दौरान दोनों बच्चे पानी भरे गड्ढे में गिर गए। काफी देर तक दोनों बच्चे घर नहीं पहुंचे तो परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। घर से लगभग 100 मीटर दूर स्थित गड्ढे में खोजबीन के दौरान दोनों बच्चे पानी और दलदल में फंसे मिले। ग्रामीण तत्काल उन्हें उपचार के लिए कटवार बाजार ले गए, जहां से गंभीर हालत में सुरियावां के एक अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही गांव में कोहशम नव गया। परिजनों का रे-सेकर बुरा हाल है। सूचना पर बरसठी पुलिस भी मौके पर पहुंची । ग्रामीणों का आरोप है कि यदि बेरिश के बाद गड्ढे को सुरक्षित तरीके से भर दिया जाता या उसके चारों ओर सुझा के इंतजाम किए गए होते तो यह दर्दनाक हादसा टाला जा सकता था। घटना के बाद ग्रामीणों ने खुले गड्ढों को तत्काल सुरक्षित कराने की मांग की है।

बारिश से जल जमाव, आवागमन में बाधा

जौनपुर । जिले में बुधवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने गुरुवार दोपहर तक जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में भारी जलजमाव हो गया है। नगर पालिका परिषद के अंतर्गत आने वाली नालियां और नाले पूरी तरह भर गए हैं। कई घरों में पानी घुस गया। विद्युत विभाग और जिला प्रशासन ने बारिश से पहले बिजली के खंभों को पॉलीथीन या प्लास्टिक पाइप से ढकने के आदेश दिए थे। इसके बावजूद, नगर के कई खम्बे अभी भी खुले पड़े हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। पूर्व में ऐसे नंगे खम्भों के कारण तीन लोगों की जान जा चुकी है।जलभराव के कारण सड़कें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के गड्ढे दिखाई नहीं दे रहे हैं। इससे चार पहिया और दो पहिया वाहन फंस रहे हैं, जिससे दुर्घटनाएं

हो रही हैं। मूसलाधार बारिश के मद्देनजर, जिलाधिकारी सैमुअल



पाल एन. के निर्देश पर गुक्वार को जिले के सभी परिषदीय (बेसिक) विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया। बरसठी विकास खंड में गुरुवार सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बरसठी जाने वाला मुख्य मार्ग अवरुद्ध हो गया। बुध् वार रात से हो रही बारिश के

कारण रेलवे फाटक के पास एक यूकैलिप्टस का पेड़ जड़ से

महंत श्री स्वामी सीतारामाचार्य जी महाराज की मनाई गई जयंती 115 वीं जयंती

दारागंज, प्रयागराज स्थिति ऐतिहासिक श्री वैष्णवाश्रम में पूर्व महंत बैकुंडवासी स्वामी श्री सीतारामाचार्य जी महाराज का 115 वां जयंती समारोह भव्यता के साथ मनाया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री वैष्णवाश्रम प्रयागराज के महंत स्वामी श्री गरुड् वजाचार्य जी महाराज द्वारा किया गया । इस अवसर पर जगदगुरु श्री स्वामी श्रीधराचार्य जी महाराज एवं जगदगुरु श्री



स्वामी अच्युत प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने स्वामी जी महाराज के व्यक्तित्व एवं जीवन वृत्त पर प्रकाश आरोपित किया । कार्यक्रम के संयोजक एवं श्री रामदेशिक संस्कृत महाविद्यालय के प्रबंधक प्रोफेसर रामकिशोर शास्त्री जी ने अपने गुरु एवं पूर्व महंत जी के जीवन से संबंधित विविध रोचक एवं प्रेरणास्पद संस्मरण सुनाया । स्वामी जी महाराज मूलतः प्रतापगढ़ जनपद में महाभागवत दंपति के घर पर आविर्भूत हुए, विविध विषयों से आचार्य करने के उपरांत श्री रामदेशिक पीठ के महंत के रूप में प्रतिष्ठित हुए ।

उक्त कार्यक्रम में प्रशासनिक, सामाजिक एवं धार्मिक जगत के श्रेष्ठ विभूतियों का आगमन हुआ । आज कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में माननीय महापौर श्री गणेश केसरवानी जी तथा वरिष्ठ आईपीएस श्री सर्वेश कुमार मिश्र – कमांडेंट पी ए सी प्रयागराज, एवं आचार्यों द्वारा भगवान श्रीमन्नारायण का सहस्त्रार्चन किया गया तदोपरान्त वृहद भंडारा आयोजित हुआ जिसमें भक्तों एवं शिष्यों ने प्रसाद ग्रहण किया। आज कार्यक्रम में प्रख्यात समाजसेवी आचार्य हरिकृष्ण शुक्ल, वरिष्ठ न्यासी प्रोफेसर रामकिशोर शास्त्री, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री राजेंद्र मिश्र, उप महंत स्वामी काशी नरेशाचार्य, आचार्य विजय तिवारी, नीतीश शुक्ला जी, पार्षद मुकेश लारा, मृदुल बाजपेयी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही ।

कार्यक्रम की पूर्णता पर वरिष्ठ न्यासी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर रामकिशोर शास्त्री जी ने अतिथियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया।

जातिगत आरक्षण के विरोध में पैदल यात्रा 9 अगस्त को

घंटाघर मैदान से पैदल मार्च विभिन्न मार्गों से होता हुआ पहुंचेगी कचहरी श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना द्वारा सभी जाति धर्म के लोगों का आवाहन

मीरजापुर। देश में व्याप्त व्यापक पैमाने पर जातिगत हिंसा , विरोध और नौकरियों में आरक्षण, विद्यालयों में आरक्षण, शिक्षण संस्थानों में आरक्षण, निश्चित रूप से देश के युवाओं और युवा होनहारों को उनके अधिकारों से वंचित कर रहा है । जातिगत आरक्षण के चलते जहां एक छात्र बिना मेहनत किए किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर उसका हिस्सा बन रहा है, जबकि दूसरी ओर क्षेत्र, गांव, देश का होनहार छात्र अच्छे नंबर लाकर भी अपने आप को योग्य साबित नहीं कर पा रहा है। जिससे उनमें कुंठा उत्पन्न हो रही है ,और अपसी जातीय संघर्ष को बल मिल रहा है । इन सब परिस्थितियों को दूर करने के लिए तथा देश में समान नागरिकता की तरह सामान सेवा में अवसर, समान शिक्षा में अवसर, सामान विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अवसर को बल देने वाली गैर आरक्षण नीति को पोषण देने के लिए मिर्जापुर जनपद के समस्त जाति धर्म के लोगों का श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना आवाहन करती है। आईये और देश के सभी नागरिकों को एक रूप में एकरूपता प्रदान करते हुए केवल भारत देशवासी के नाम से उनकी पहचान बनाने के लिए इस जातिगत आरक्षण को खत्म करें । जातिगत आरक्षण के चलेने देश में हो रहे हिंसा को खत्म करें । भेदभाव को खत्म करें । और इसके लिए सभी मिर्जापुर वासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों का श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना आह्वाहन करता है। दिनांक 9 अगस्त 2026 रविवार को घंटाघर के मैदान से एक सर्वजातीय, सर्वधर्म सभा एवं जुलूस का आयोजन किया जाएगा जो घंटाघर मैदान से चलकर विभिन्न प्रमुख मार्गों से होता हुआ जिला मुख्यालय पहुंचेगा, और आरक्षण के विरोध में अपना प्रस्ताव रखेगा । और सर्वधर्म समभाव और सर्वजातीय समभाव की भावना को रखते हुए आरक्षण को समाप्त करने के लिए अपना पुरजोर विरोध करते हुए ज्ञापन सौंपेगा। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह गहरवार इस गैर जातीय आरक्षण विरोधी जुलूस की अगुवाई करेंगे।

मड़हा में लगी आग से गाय मरी

जौनपुर।गोराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के राजेपुर द्वितीय गांव में बुध् वार की रात लगभग एक बजे संदिग्ध परिस्थितियों में मड़हा में भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में मड़हे के भीतर बंधी एक दुधारु गाय की जलकर मौत हो गई, जबकि दूसरी गाय गंभीर रूप से झुलस गई। पीड़ित पशुपालक ने घटना की तहरीर थाने में दी है, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।उक्त गांव निवासी राहुल पाल का मड़हा स्थित है, जिसमें उनकी मवेशी बंधी हुई थी। रात करीब एक बजे अचानक मड़हे से लपटें उठने लगीं। जब तक ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाते, तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया। हादसे में लगभग 80 हजार रुपये मूल्य की एक कीमती दुधारु गाय की मौके पर ही जलकर दर्दनाक मौत हो गई, वहीं पास में बंधी दूसरी गाय भी आग की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गई।

अब शिवाजी, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते?

रोल—प्लेइंग (भूमिका निभाने वाले) सीन और गुप डिस्कशन, जो सामाजिक स्थितियों और उनके नतीजों को समझते हैं, सही व्यवहार सिखाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में बहुत असरदार हो सकते हैं। माता—पिता अपने बच्चों और दूसरों के साथ बातचीत में सम्मानजनक व्यवहार का उदाहरण पेश करके अहम भूमिका निभा सकते हैं।आज के एक—दूसरे पर निर्भर समाज में युवाओं, खासकर जेनरेशन जेड (जेन जी) का व्यवहार समाज के लिए बहुत चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्हें अक्सर बेसब्री, बिना सोचे—समझे सोचने की आदत और कुछ मामलों में, बुरे बर्ताव वाला माना जाता है। यह सोच, हालांकि आम हो सकती है, और हर व्यक्ति में अलग—अलग भी हो सकती है। लेकिन यह इसके अंदरूनी कारणों और समाज के प्रतिप्रतिक्रियाओं की एक जरूरी जांच को बढ़ावा देती है।

सम्पादकीय

नौकरशाहों का शिकंजा

इसरो के पूर्व चेयरमैन जी. माधवन नायर ने अब वो राज बताया है, जिस पर कयास लग रहे थे। उन्होंने कहा कि इसरो में वैज्ञानिकों के ऊपर नौकरशाहों का शिकंजा कसने की प्रवृत्ति बड़ी है। इसी महीने यह चौंकाने वाली खबर आई कि तकरीबन 120 वैज्ञानिकों और तकनीक—कर्मियों ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से इस्तीफा दे दिया, अथवा समय से पहले अवकाश ग्रहण कर लिया है। इनमें गगनयान, चंद्रयान—3 और स्पाडेक्स जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियानों से जुड़े वैज्ञानिक शामिल बताए गए। तब से इसरो से वैज्ञानिकों के प्रोहर्भंग को लेकर कई तरह के कयास लगाए जाते रहे हैं। बहरहाल, केंद्र का रुख उलटबासी की तरह रहा। वैज्ञानिकों के असंतोष के कारणों का पता लगाने का इरादा दिखाने के बजाय सरकार ने सख्ती का पैगाम दिया। अंतरिक्ष विभाग ने वैज्ञानिकों के इस्तीफे और स्वेच्छिक अवकाश—ग्रहण पर रोक लगा दी। बहरहाल, इसरो के पूर्व चेयरमैन जी. माध्वन नायर ने अब एक मीडिया इंटरव्यू में वो राज बताया है, जिस पर कयास लग रहे थे। उन्होंने कहा कि इसरो में श्वरोक्रोटाइजेशनच यानी वैज्ञानिकों के ऊपर नौकरशाहों का शिकंजा कसने की प्रवृत्ति बड़ी है। यह वैज्ञानिकों के पलायन का प्रमुख कारण बना है। नायर ने दो टूक कहा कि वैज्ञानिक केवल पैसों के लिए इसरो छोड़ कर नहीं जा रहे, बल्कि संस्थान में बढ़ती नौकरशाही और प्रशासनिक जटिलताएं इसकी बड़ी वजह हैं। नायर ने ये सुझाव भी दिया है कि अंतरिक्ष आयोग के पूर्ण अधिकारों को बढ़ावा दिया जाए और शीर्ष प्रतिभाओं के लिए प्रदर्शन—आधारित इंसेंटिव फिर से शुरू की जाए। इन बातों का अर्थ है कि मौजूदा सरकार ने इन दोनों मामलों में पहले से जारी चलन को पलट दिया है। नायर ने कहा कि नई संस्थाओं (जैसे इन—स्पेस और एनएसआईएल) के आने से फैसले लेने की प्रक्रिया जटिल हुई है, जिसे फिर से सरल और प्रभावी बनाने की जरूरत है। नायर ने चेतावनी दी है कि बाहरी एजेंसियों की ओर से इसरो के अत्यधिक प्रशिक्षित कर्मियों और समृद्ध संसाधनों को अपनी ओर खींचे का जबरदस्त दबाव है, जिससे अंतरिक्ष कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। जिस समय निजी क्षेत्र ने भी भारत के अंतरिक्ष अभियान क्षेत्र में कदम रखा है, ऐसी टिप्पणियों का खास महत्त्व हो जाता है। ये टिप्पणियां सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाती हैं। क्या केंद्र इस बारे में देश को भरोसे में लेगा?

संस्थाओं के ऊपर से लोगों का भरोसा समाप्त

एक एक करके इस देश की हर संस्था की साख खत्म होती जा रही है और संस्थाओं के ऊपर से लोगों का भरोसा समाप्त है, और इसका नया आयाम कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी की ओर से जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन शुरू हुआ घटनाक्रम भी है। ९ यात्रे रहे देश दो चीजों पर भरोसे से चलता है। पहली चीज है इलेक्शन और दूसरी चीज है एग्जामिनेशन। इन दोनों पर भरोसे का संकट है। एक के बाद एक चुनाव जीतने की जिद में भाजपा ने ऐसे काम किए, जिनसे लोगों का भरोसा घटा। यह सिर्फ विपक्षी पार्टियों का मामला नहीं है। आम लोगों के मन में भी यह धारणा बैठ गई है कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। यह धारणा बनाने में भाजपा का इकोसिस्टम भी समान रूप से जिम्मेदार है। रमोदी है तो मुम्किन हैच का नारा भी इस धारणा को मजबूत करता है। भाजपा इकोसिस्टम के लोग अमित शाह की लार्जर देन लाइफ छवि बनाने के लिए ऐसा प्रचार करते हैं कि वे जहां हाथ डाल देंगे वहां कामयाबी मिलेगी। शील्स और वीडियो बना कर प्रचारित करया जाता है कि वे जहां चाहेंगे वहां चुनाव जिता देंगे। पश्चिम बंगाल की जीत के बाद यह प्रचार तेज हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीट पर आ गई थी। लेकिन उसके बाद महाराष्ट्र से लेकर हरियाणा और दिल्ली व बिहार में जैसे वह जीती है उससे भी लोगों के मन में यह धारणा बैठी कि कुछ भी हो जाए भाजपा जीतेगी। इससे चुनाव आयोग के साथ साथ चुनाव की विश्वसनीयता प्रभावित हुई। भाजपा के लोग मजाक में ही सही लेकिन इस धारणा का प्रचार करते हैं कि वोट किसी को दीजिए, वह जाएगा भाजपा के खाले में और चुनाव कोई जीते सरकार भाजपा बनाएगी। इन बातों से समूची चुनाव प्रक्रिया संदेह के घेरे में आई है।जंतर मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान जिस तरह से मीडिया के एक समूह ने प्रदर्शनकारियों को विलेन बना कर सरकार का एजेंडा पालना उसने मीडिया की विश्वसनीयता को और कम किया। इससे पहले दूसरे प्रदर्शनों में भी ऐसा ही होता था परंतु किसान हों या शाहीन बाग के प्रदर्शनकारी वे रश्तेन जीव की तरह मुखर या सामने से प्रतिवाद करने वाले नहीं थे। लखनऊ युवाओं ने प्रतिवाद किया और यह देखने को मिला कि उन्होंने मुन्तेश्वारा की मीडिया को लगभग समूचे आंदोलन से बाहर रखा। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए नैटिव बनाया या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही आंदोलन की जगह बना दिया। कई मीडियाकर्मियों के साथ जंतर मंतर पर जो हुआ वह भरोसे की कमी का ही संकेत है।प्रदर्शन समाप्त करने के लिए दो केंद्रीय मंत्रियों ने सीजेपी के प्रदर्शनकारियों से वार्ता की और उनकी सारी मांगें मान लीं लेकिन उसके बाद भी छात्रों और युवाओं पर कार्रवाई नहीं रुकी और अब सुप्रीम कोर्ट के एक अंतरिम आदेश के बहाने छात्रों की श्रेणियां बना कर उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। प्रदर्शनकारियों में आपराधि

ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और हार्ड—स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफिकेशन आते हैं, न्यूज साइकिल मिनटों में रिफ्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फीडबैक और आसानी से मिलने वाले कमेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की जरूरत होती है, जैसे जवाब का इंतजार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे—धीरे, सोच—समझकर सीखना, वे फ्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं। ऑनलाइन बातचीत का तेज नेचर, जहाँ छोटे मैसेज

एमपी में कुशवाहा वोट बैंक की ताकत के आगे झुकी बीजेपी गुलाटी बयान के लिए तोमर को मांगनी पड़ी माफी

पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब 31 जुलाई को मुर्ना में भाजपा के जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाहा के निवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में नरेंद्र सिंह तोमर ने कुशवाहा समाज को संबोधित करते हुए कहा कि यह समाज बीच—बीच में श्गुलाटी खाता रहा और इसी कारण उसने अपनी श्विश्वसनीयता को खंडितर किया। मध्य प्रदेश की राजनीति में दतिया विधानसभा उपचुनाव के नतीजे ने भारतीय जनता पार्टी को ऐसा राजनीतिक संदेश दिया है, जिसकी गूंज अब पूरे प्रदेश में सुनाई दे रही है। विधानसभा अध्यक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह तोमर का एक विवादित बयान से शुरू हुआ विवाद आखिरकार सार्वजनिक माफी तक पहुंच गया। भाजपा की आंतरिक समीक्षा में यह संकेत मिलने के बाद कि कुशवाहा समाज की नाराजगी पार्टी की हार का बड़ा कारण बनी, तोमर ने स्वयं आगे आकर अपने शब्द वापस लिए और कहा कि उन्होंने कभी सपने में भी इस समाज का अपमान करने की नहीं सोचा। पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब 31 जुलाई को मुर्ना में भाजपा के जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाहा के निवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में नरेंद्र सिंह तोमर ने कुशवाहा समाज को संबोधित करते हुए कहा कि यह समाज बीच—बीच में श्गुलाटी खाता रहा और इसी कारण उसने अपनी श्विश्वसनीयता को खंडितर किया। उन्होंने यह भी कहा कि एक समय ऐसा था जब कुशवाहा समाज भाजपा का मजबूत समर्थक माना जाता था और भाजपा

नवजात का पहला सुरक्षा कवच- स्तनपान और इसका सामाजिक महत्व

विश्व स्तनपान सप्ताह हर साल 1 से 7 अगस्त तक मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य शिशु के स्वास्थ्य के लिए मां के दूध के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करना है। जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना और शुरुआती छह महीने तक केवल मां का दूध ही देना बच्चे के लिए सबसे जरूरी है। स्तनपान के दौरान त्वचा से त्वचा का संपर्क मां और बच्चे के बीच भावनात्मक बंधन को मजबूत करता है, जिससे आराम, गर्माहट और सुरक्षा की भावना मिलती है जो स्वस्थ भावनात्मक विकास में सहायक होती है।

स्तनपान शिशुओं को जानलेवा संक्रमणों से बचाती है

हर साल 1 अगस्त से 7 अगस्त तक दुनिया भर में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य माताओं और समाज को शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के अनुसार, शिशु के जन्म के बाद पहला घंटा और शुरुआती छह महीने उपाका पूरा जीवन सवंगने में सबसे निर्णायक भूमिका निभाते हैं। स्तनपान करने वाले शिशुओं में दस्त, निमोनिया, कान के संक्रमण और कुछ श्वसन संबंधी संक्रमण जैसी आम बचपन की बीमारियों का खतरा कम होता है। विश्व स्वास्थ्य

डेमोक्रेटाइज कर दिया है, जिससे यह पहले से कहीं ज्यादा आसानी से मिलने वाली हो गई है। लेकिन, इस एक्सेसिबिलिटी के साथ एक बड़ी चुनौती आती हैरूपलब्ध जानकारी की बहुत ज्यादा मात्रा और अक्सर अनवैरिफाइड नेचर। जेन जी, जो इस बहुतायत के साथ बड़ा हुआ है, अक्सर शॉर्ट—फॉर्म कमेंट, सोशल मीडिया फीड्स और वायरल ट्रेंड्स के जरिए जानकारी लेता है। इस्तेमाल का यह तरीका क्रिटिकल इवैल्यूेशन और लॉजिकल एनालिसिस के बजाय इमोशनल रजोनेंस और तुरंत एंगेजमेंट को प्रायोरिटी दे सकता है। कई डिजिटल प्लेटफॉर्म को कंट्रोल करने वाले एल्गोरिदम यूजर्स को एंगेज रखने के लिए डिजाइन किए गए हैं, अक्सर ऐसा कंटेंट दिखाकर जो उनके मौजूदा भाव्स से मेल खाता है या मजबूत इमोशनल रिस्पॉन्स को उकसाता है। इससे इको

एमपी में कुशवाहा वोट बैंक की ताकत के आगे झुकी बीजेपी गुलाटी बयान के लिए तोमर को मांगनी पड़ी माफी

गठित की गई और संगठनात्मक कमजोरियों के साथ—साथ संभावित अंदरूनी असंतोष की भी जांच शुरू हुई।इसी राजनीतिक आत्ममंथन के बीच नरेंद्र सिंह तोमर ने कुशवाहा समाज के नाम हस्ताक्षरित पत्र जारी



कर अपने बयान पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि कमलेश कुशवाहा के घर आयोजित कार्यक्रम पारिवारिक वातावरण में था और उसी संदर्भ में बातचीत हुई थी। उन्होंने कहा कि उनका और कुशवाहा समाज का रिश्ता परस्पर पूरक है तथा उन्होंने जीवनभर इस समाज का सम्मान किया है और आगे भी करते रहेंगे। यदि उनके शब्दों से किसी की भावना आहत हुई है तो वह अपने शब्द वापस लेते हैं और इसके लिए खेद प्रकट करते हैं। उनका यह बयान भाजपा के भीतर बढ़ी राजनीतिक बेचौनी और सामाजिक समीकरणों को सधा देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

थ्योरी की लोकप्रियता, जिनमें अक्सर अनुभव के सबूत नहीं होते लेकिन वे भावनात्मक रूप से मजबूत होती हैं, यह दिखाती है कि बिना वैरिफाई की गई जानकारी कैसे लोगों का ध्यान खींच सकती है और तर्कों पर असर डाल सकती है। उन्हें कैसे जांचा जाए, इस बारे में पूरी गाइडेंस के बिना विभिन्न नजरिया के लगातार संपर्क में रहने से कन्फ्यूजन हो सकता है और सिस्टमेटिक, लॉजिकल तरीकों के बजाय ह्यूमिस्टिक्स या भावनात्मक अपील पर भरोसा हो सकता है।बदलते सोशल नॉर्मस और बुरे मैनेर्स की सोच मैनेर्स की परिभाषा खुद एक जैसी नहीं हैयह सोशल नॉर्मस और टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ बदलती रहती है। जेन जी की बातचीत काफी हद तक डिजिटल कम्प्युनिकेशन पर निर्भर करती है। टेक्स्टिंग, डायरेक्ट मैसेजिंग और ऑनलाइन कमेंट्स में अक्सर



समीकरणों के केंद्र में कुशवाहा समाज को महत्वपूर्ण स्थान दिया। दूसरी ओर कांग्रेस भी अब इस वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से काम कर रही है। पार्टी ने सतना विधायक सिद्धार्थ की महत्वपूर्ण स्थान दिया। दूसरी ओर कांग्रेस भी अब इस वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से काम कर रही है। पार्टी ने सतना विधायक सिद्धार्थ

आज का राशिफल

मेघ राशि— मेघ राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आप अपने कारोबार में अच्छा लाभ कमायेंगे। वृष राशि— वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज ऑफिस में आपके मान—सम्मान में वृद्धि होगी। मिथुन राशि— मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप व्यापार में अच्छा लाभ कमायेंगे लेकिन खर्च की अधिकता रह सकती है। कर्क राशि— कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। सिंह राशि— सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक—ठाक रहने वाला है। आज आप अपने लिए रोजगार के नए अवसर तलाश करेंगे। कन्या राशि— कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप निजी जीवन से जुड़े कुछ अहम फैसले ले सकते हैं, जिनका असर भविष्य में आपको देखने को मिलेगा। तुला राशि— तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी से बात करते समय अपने शब्दों के ऊपर नियंत्रण बनाए रखें। आज बच्चे आपके काम में हाथ बटाएंगे। वृश्चिक राशि— वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप नया कारोबार शुरू करने का मन बना सकते हैं। धनु राशि— धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। आज आप टेक्नोलॉजी का सहारा लेकर किसी काम को जल्द ही कम्पलीट कर लेंगे। मकर राशि— मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको धन लाभ के कई बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे, कुम्भ राशि— कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल बना रहेगा। आज आप अपने बिजनेस को शिफ्ट करने से पहले उस जगह की अच्छे से जाँच—पड़ताल कर लें। मीन राशि— मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है।

पात्र युवाओं को त्वरित एवं पारदर्शी ढंग से ऋण उपलब्ध कराएं बैंक - डीएम

आजमगढ़, (आर एन एस)मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत हरिऔध कला केन्द्र, आजमगढ़ में आयोजित एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना, उन्हें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सहित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर उद्यम स्थापना के लिए प्रोत्साहित करना रहा।कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रदेश सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के पात्र युवाओं को बिना गारंटी एवं ब्याज मुक्त ऋण के रूप में 5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार उपलब्ध कराने वाला उद्यमी बनाना है।उन्होंने कहा कि जनपद आजमगढ़ में इस योजना की अपार संभावनाएं हैं और अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के प्रारम्भ होने के बाद से जनपद आजमगढ़ में 5 हजार से अधिाक युवाओं को ऋण उपलब्ध कराया

जा चुका है, जो पूरे प्रदेश में सर्वाधिक है।यह उपलब्धि 1 जनपद के लिए गर्व का विषय है, किन्तु अभी भी बड़ी संख्या में पात्र युवा योजना का लाभ लेने से वंचित हैं। इसी उद्देश्य से यह क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित की गई है।जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यशाला में राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), पॉलिटेक्निक, महाविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया है, ताकि वे स्वरोजगार के अवसरों को समझ सकें। साथ ही जनपद के सभी प्रमुख बैंकों एवं उनके प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है, जिससे युवा सीधे बैंक अधिाकारियों से ऋण स्थापित कर सकें और ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरलता से समझ सकें।उन्होंने बैंकर्स से अपील करते हुए कहा कि जो भी आवेदक योजना की पात्रता की शर्तों को पूरा करते हैं, उनके आवेदन पत्रों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं

समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, उनका ऋण वितरण भी तत्काल कराया जाए, ताकि युवा बिना अनावश्यक विलम्ब के अपना उद्यम स्थापित कर सकें।जिलाधिकारी ने संबंधिात अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का व्यापक प्रचार–प्रसार कर अधिकाधिक पात्र युवाओं को योजना से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि योजनान्तर्गत ऋण वितरण के लक्ष्य को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए तथा प्रत्येक पात्र युवा तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए विभागीय स्तर पर सतत प्रयास किए जाए।उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे योजना के अंतर्गत जिस उद्देश्य के लिए ऋण प्राप्त करें, उसका उपयोग उसी कार्य में करें तथा पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से अपने उद्यम का संचालन करें। यदि युवा योजनाबद्ध ढंग से न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।जिलाधिाकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा

उद्यमी विकास अभियान के अतिरिक्त केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित अन्य स्वरोजगार योजनाओं का भी लाभ उठाया जाना चाहिए। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं प्रशिक्षण का उपयोग कर युवा अपने कौशल के अनुरूप उद्योग, सेवा अथवा व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।कार्यशाला में उपायुक्त उद्योग आशुतोष श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के उद्देश्य, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, ऋण स्वीकृति, बैंकिंग प्रक्रिया एवं विभागीय सहायता की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे योजना का अधिकाधिक लाभ उठाकर स्वरोजगार अपनाएं तथा दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित करें।कार्यक्रम में विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधकों से बैंक प्रतिनिधियों ने भी प्रतिभाग करते हुए ऋण वितरण प्रक्रिया, बैंकिंग औपचारिकताओं एवं उद्यम स्थापना से संबंधित आवश्यक जानकारी साझा की तथा युवाओं के प्रश्नों का समाधान किया।

गलत इलाज से नवजात का काटना पड़ा हाथ, तीन झोलाछाप के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आजमगढ़ (आर एन एस)जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र से एक बेहद संवेदनशील और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। नवजात शिशु के कथित गलत इलाज के कारण उसकी जान बचाने के लिए उसका हाथ काटना पड़ गया। घटना के बाद पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने तीन झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।[जानकारी के अनुसार अहरोला थाना क्षेत्र के बनाखुर्द गांव निवासी चंद्रकेश यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि 14 जून को उनकी पत्नी साधना यादव को प्रसव पीड़ा होने पर कप्तानगंज स्थित स्टेट बैंक के सामने संचालित सुरक्षा पॉली क्लीनिक में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि प्रसव के दौरान नवजात का इलाज लापरवाही और गलत तरीके से किया गया, जिससे उसके हाथ में गंभीर संक्रमण और जटिलता उत्पन्न हो गई।परिजनों का कहना है कि बाद में जब नवजात को दूसरे अस्पताल में दिखाया गया तो चिकित्सकों ने बताया कि जन्म के समय हुए गलत उपचार के कारण स्थिति अत्यंत गंभीर हो चुकी है। बच्चे की जान बचाने के लिए उसका हाथ काटना ही एकमात्र विकल्प बचा था। मजबूर होकर परिजनों को नवजात का हाथ कटवाना पड़ा।इस घटना के बाद पीड़ित पिता ने संबंधित झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को तहरीर दी। शिकायत के आधार पर कप्तानगंज पुलिस ने तीन आरोपियों को विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।कप्तानगंज थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इस घटना ने जिले में झोलाछाप चिकित्सकों की कार्यप्रणाली और निजी क्लीनिकों की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने भी ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई और अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों के विरुद्ध अभियान चलाने की मांग की है।

आरोपियों की गिरफ्तारी में लापरवाही पड़ी भारी, उपनिरीक्षक पर गिरी गाज

आजमगढ़, (आर एन एस)विरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने कर्तव्य निर्वहन में घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता बरतने के आरोप में पर्वड थाने पर तैनात उपनिरीक्षक (नागरिक पुलिस) ओमप्रकाश मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई को आदेश भी जारी किए गए हैं।पुलिस विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपनिरीक्षक ओमप्रकाश मिश्रा पर थाना पर्वड में तैनाती के दौरान पंजीकृत कई मुकदमों की विवेचना में लापरवाही बरतने का आरोप है।इनमें एक लूट का मुकदमा भी शामिल है, जिसे बाद में डकैती की धारा में तरमीम किया गया। आरोप है कि उच्चाधिकारियों के बार–बार निर्देश होने के बावजूद उन्होंने अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए कोई प्रभावी प्रयास नहीं किया तथा मुकदमों के निस्तारण में भी रुचि नहीं दिखाई।विज्ञप्ति के अनुसार, क्षेत्र में भ्रमण, वाहन चेंकिंग और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के दौरान आमजन के साथ अमर्यादित एवं दुर्व्यवहारपूर्ण व्यवहार करने तथा पुलिस विभाग की छवि ध

ूमिल करने का मामला भी प्रथम दृष्टया संज्ञान में आया है। इसे गंभीर अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता और पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही मानते हुए विरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तत्काल निलंबन की कार्रवाई की है।[एसएसपी ने जनपद के सभी पुलिस कर्मियों को चेतावनी देते हुए निर्देशित किया है कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ करें। कर्तव्य के प्रति लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

खेत की सिंचाई के दौरान करंट लगने से किसान की मौत

आजमगढ़ (आर एन एस)अतरौलिया थाना क्षेत्र के जमीन दशाव गांव में खेत की सिंचाई के दौरान करंट की चपेट में आने से 55 वर्षीय किसान की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।[जानकारी के अनुसार जमीन दशाव गांव निवासी जोखू (55) पुत्र परसु अपने खेत में बिजली की मोटर से सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान मोटर में लगे करंट हुए विद्युत तार की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के अनुसार शाम करीब चार बजे तक घर नहीं लौटने पर उनकी तलाश की गई। खेत पहुंचने पर जोखू मृत अवस्था में मिले, जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई।मौके पर पहुंची अतरौलिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं फील्ड यूनिट ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलित किए।मृतक अपने पीछे पत्नी तिजा और चार पुत्रों का परिवार छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के पुत्र गुलाब ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके पिता की खेत में सिंचाई के दौरान करंट लगने से मौत हुई है।थानाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ दुबे ने बताया कि मृतक के पुत्र की तहरीर प्राप्त हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

खेत की रखवाली करने जा रही युवती को बोलेरो ने रौंदा, मौत

मिल्कीपुर–अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के सैदखानपुर गांव में मंगलवार शाम खेत की रखवाली करने जा रही 25 वर्षीय युवती की बोलेरो वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों को देखकर बोलेरो सवार वाहन छोड़कर फरार हो गए। गंभीर हालत में युवती को मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सैद खानपुर निवासी सोहनलाल ने खंडासा पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी बेटी गीत मंगलवार शाम घर से खेत की ओर जा रही थी। आरोप है कि पूर्व माध्यमिक विद्यालय सैद खानपुर के पास मंगला प्रसाद उर्फ बेचुलाल पुत्र रामधारा निवासी अधियारी, थाना खंडासा बोलेरो वाहन संख्या यूपी 61 वी 9889 चला रहा रहे थे। वाहन में उनके गिर एक अन्य व्यक्ति भी बैठा था। परिजनों का आरोप है कि बोलेरो की चपेट में आने से गीत सड़क पर गिर गई। आरोप है कि वाहन चालक ने दोबारा भी उसके ऊपर गाड़ी चढ़ा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों को आता देखकर बोलेरो सवार दोनों लोग वाहन को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीणों और परिजनों की मदद से घायल युवती को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर ले जाया गया

आजमगढ़, (आर एन एस)मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार पटेल ने बताया है कि जनपद के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा उन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से एसएससीआई ग्रुप के माध् यम से एसआईएस लिमिटेड द्वारा जनपद के विभिन्न विकास खण्डों में विकास खण्डवार रजिस्ट्रेशन एवं भर्ती शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में 10वीं उत्तीर्णअनुत्तीर्ण तथा उच्च शैक्षणिक योग्यता प्राप्त बेरोजगार युवा प्रतिभाग कर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।उन्होंने बताया कि नि्धर्ाित कार्यक्रम के अनुसार विकास खण्ड पल्हना में 17 एवं 18 अगस्त 2026, रात्री की सराय में 19 एवं 20 अगस्त, हरैया में 21 एवं 22 अगस्त, लालगंज में 24 एवं 25 अगस्त, पर्वड में 27 एवं 29 अगस्त, फूलपुर में 31 अगस्त एवं 01 सितम्बर, तहबरपुर में 02 एवं 03 सितम्बर, तरवां में 05 एवं 07 सितम्बर, बिलरियागंज में 08 एवं 09 सितम्बर, कोयलवां में 10 एवं 11 सितम्बर, पल्हना में 14 एवं 15 सितम्बर, मिर्जापुर में 16 एवं 18 सितम्बर, मार्टिंगंज में 19 एवं 21 सितम्बर, मेहनगर में 22 एवं 23 सितम्बर, अहरोला में 24 एवं 25 सितम्बर, अतरौलिया में 26 एवं 28 सितम्बर, सटियांव में 29 एवं 30 सितम्बर, अजमतगढ़ में 01 एवं 03 अक्टूबर, जहानगंज में 05 एवं 06 अक्टूबर, मोहम्मदपुर में 07 एवं 08 अक्टूबर, ठेकमा में 12 एवं 13 अक्टूबर तथा महाराजगंज में 14 एवं 15 अक्टूबर 2026 को भर्ती एवं पंजीकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे।मुख्य विकास अधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि भर्ती एवं पंजीकरण शिविरों के आयोजन के दौरान विकास खण्ड कार्यालय का नियमित शासकीय कार्य किसी भी प्रकार से प्रभावित न हो। सभी व्यवस्थाएं इस प्रकार सुनिश्चित की जाएं कि विभागीय कार्यों के साथ–साथ शिविर का संचालन भी सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

08 विधानसभा क्षेत्रों में उत्सव भवन निर्माण के लिए ग्राम पंचायतों से मांगे गए प्रस्ताव आजमगढ़, (आर एन एस)जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया है कि शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए जनपद आजमगढ़ में 08 उत्सव भवन विधान सभा गोपालपुर, अतरौलिया, दीदारगंज, मुबारकपुर, फूलपुर–पर्वड, लालगंज, मेहनगर, सगड़ी के लिए लक्ष्य आवंटित किया गया है। जिस हेतु सभी ग्राम पंचायतें जहां उत्सव भवन निर्माण हेतु 3000 वर्ग मीटर जमीन रोड पर उपलब्ध है, जो।[ससं,मंजीमते नतबिमक तर्बक (ठपजनउपदवनेष्ब्ध द्जमनसवबापवह) से जुड़ा हुआ हो, जिसमें बस एवं छोटे वाहनों का आसानी से आवागमन हो सके। जिन ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत द्वारा स्वयं के स्रोतध सेवाओं की उपलब्धता अधिक की जा रही है तथा ग्राम पंचायत में खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा अन्नपूर्णा भवन का संचालन किया जा रहा है, उन्हें वरीयता दी जाएगी। ग्राम पंचायतें ग्राम पंचायत का प्रस्ताव, भूमि प्रबंधन समिति का प्रस्ताव, नजरी नक्शा और खतीनी की नकल के साथ प्रस्ताव विधान पंचायत राज अधिकारी आजमगढ़ (05462297491) के कार्यालय विकास भवन तृतीय तल में उपलब्ध करा सकते हैं।

पुरानी रंजिश में लाली-डंडों से हमला

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से की अपील - ०9 से 17 अगस्त तक निजी आवासों एवं प्रतिष्ठानों पर नियमानुसार झण्डा फहराये

आजमगढ़ (आर एन एस)भारत सरकार द्वारा वन्दे मातरम् के तृतीय चरण के साथ ष्हर चार तिरंगा अभियान 2026 के आयोजन किया जा रहा हैं। इस कार्यक्रम को भौतिक एवं डिजिटल दोनों रूप में आयोजित किया जायेगा। भौतिक रूप से तिरंगा फहराते हुए वन्दे मातरम् का गायन किये जाने तथा डिजिटल सैलीब्रेशन के अन्तर्गत तिरंगा के साथ सैल्फी एवं वंदे मातरम के गायन को हर घर तिरंगा की वेवसाइट (ूतिहीतजनपदहवउ) पर सैल्फी लेते हुए अपलोड किया जायेगा। झण्डा फहराने के नियम निम्न है:– प्रत्येक नागरिक को अपने आवासष्कूल तथा सरकारी कार्यालयों में झण्डा सम्मान के साथ झण्डा संहिता का अनुपालन करते हुए फहरानाऱ्वलगाना है। झण्डा फहराते समय सदैव केसरिया रंग की पट्टी झण्डे

के ऊपर की तरफ हेमैी चाहिए। झण्डे को यदि सरकारी परिसर में फहराया जाता है तो सूर्योदय के उपरान्त ध्वजारोहण किया जाना चाहिये तथा सूर्यास्त के साथ ही सम्मान के साथ इसे उतारना चाहिए। दिनांक 09 से 17 अगस्त, 2026 तक निजी आवासों एवं प्रतिष्ठानों पर लगाये जाने वाले झण्डों को उक्त समयेावधि के उपरान्त आदर भाव के साथ उतार कर सुरक्षित रखा जायेगा। झण्डा उतारने के बाद किसी भी नागरिक के द्वारा इसे फेंका नहीं जायेगा। उसे सम्मान के साथ फोल्ड करके रखा जाना चाहिए। विशेष परिस्थितियों में झण्डा रात्रि में फहराया जा

सकता है। हर घर पर झण्डा विधि वत् तरीके से लगाया जाना चाहिए। आधा झुका फटा या कटा झण्डा लगाया जाना निषेध होगा।इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और तिरंगे के साथ व्यक्तिगत एवं भावनात्मक सम्बन्ध बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। पिछले कुछ वर्षों से यह अभियान राष्ट्रीय अस्मिता, देशभक्ति और गौरव के जनभागीदारी आन्दोलन के रूप में सफल बन चुका है।जिलाधिकारी रविंद्र कुमार द्वारा जनपद आजमगढ़ के सभी नागरिकों से अपील की गयी है कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की अपेक्षा के अंरूप 09 से 17 अगस्त, 2026 तक निजी आवासों एवं प्रतिष्ठानों पर नियमानुसार झण्डा फहराये।

आज सर्किट हाउस आजमगढ़ में लगेगा दिव्यांगजनों के लिए मोबाइल कोर्ट, शिकायतों का होगा त्वरित निस्तारण

आजमगढ़, (आर एन एस)जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी शान्त प्रकाश श्रीवास्तव ने सर्वसाध्ाारण को सूचित किया है दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम–2016 की मूल भावना के अनुसार सुदूरवर्ती पिछड़े क्षेत्रोंग्रामीण इलाकों के ऐसे दिव्यांगजन जो कि सरकार द्वारा उनके अधिकार एवं सुविधाओं हेतु चलाई जा रही योजनाओंेम्परियोजनाओं से जागरूक नहीं हैं, के मध्य जागरूकता बढ़ाने के लिए और समाज में उनके साथ हो रहे भेदभाव को समाप्त कराते हुए पूर्ण एवं प्रभावी भागीदारी दिलाये जाने एवं इस सम्बन्ध में उनकी शिकायतोंेम्समस्याओं का त्वरित रूप से स्थानीय स्तर पर निपटारा किये जाने के उद्देश्य से राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, उत्तर प्रदेश द्वारा अपने सहभागियों के साथ दिनांक 06 अगस्त 2026 को समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक सर्किट हाउस सभागार, आजमगढ़ में मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया है।इच्छुक दिव्यांग अपनी शिकायतोंेम्समस्याओं के त्वरित रूप से निस्तारण हेतु उक्त आयोजित मोबाइल कोर्ट में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

कोर्ट आदेश के बाद नही दर्ज हुआ एफआईआर कोर्ट ने कोतवाल किया तलब

आजमगढ़ (आर एन एस) कोतवाली थाना क्षेत्र मे पूर्व मामले में कोर्ट के आदेश के 28 दिन बाद भी कोतवाली पुलिस के मुकदमा दर्ज न करने पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सत्यवीर सिंह ने शहर कोतवाल से आख्या तलब किया है। अदालत ने 12 अगस्त 2026 तक इस मामले में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। मामला बीते 16 अप्रैल 2026 का है, जब शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के गुरुटोला निवासी संजय कुमार पाठक के पुत्र सुधाकर पाठक का शव पुरानी जेल के सामने, पावर हाउस के पीछे बंधे पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। परिजनों द्वारा हत्या की आशंका जताए जाने के बावजूद कोतवाली पुलिस ने जब प्राथमिकी दर्ज नहीं किया तब मृतक के भाई पदमाकर पाठक ने अपने अधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद सिंह के माध्यम से सीजेएम कोर्ट में सौंपना पत्र दिया। जिसके अनुसार सुधाकर पाठक की हत्या शराब के ठेके के मालिक विनोद राय व उनके साथ के लोगों ने की। इस मामले के तथ्य एवं परिस्थितियों के अवलोकन के बाद सी जे एम कोर्ट ने 7 जुलाई को कोतवाली पुलिस को एक सप्ताह अंदर मुकदमा दर्ज करने का स्पष्ट आदेश दिया था। आदेश पारित होने के 28 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। तब पीड़ित पदमाकर पाठक ने पुनः कोर्ट की शरण ली।

खेत की सिंचाई के दौरान करंट लगने से किसान की मौत

आजमगढ़ (आर एन एस)अतरौलिया थाना क्षेत्र के जमीन दशाव गांव में खेत की सिंचाई के दौरान करंट की चपेट में आने से 55 वर्षीय किसान की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।[जानकारी के अनुसार जमीन दशाव गांव निवासी जोखू (55) पुत्र परसु अपने खेत में बिजली की मोटर से सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान मोटर में लगे करंट हुए विद्युत तार की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के

अनुसार शाम करीब चार बजे तक घर नहीं लौटने पर उनकी तलाश की गई। खेत पहुंचने पर जोखू मृत अवस्था में मिले, जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई।मौके पर पहुंची अतरौलिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं फील्ड यूनिट ने घटनास्थल पर पहुंचकर

साक्ष्य संकलित किए।मृतक अपने पीछे पत्नी तिजा और चार पुत्रों का परिवार छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के पुत्र गुलाब ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके पिता की खेत में सिंचाई के दौरान करंट लगने से मौत हुई है।थानाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ दुबे ने बताया कि मृतक के पुत्र की तहरीर प्राप्त हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बाउंड्री वरल के ऊपर कंसल्टीना वायर लगाकर विद्यालय परिसर को बनायें सुरक्षित : डीएम

चित्रकूट। विकासखंड मऊ अंतर्गत ग्राम बोझ फॉर्म में विगत दिनों आवारा कुत्ते के काटने से हुई घटना के प्तिगत डीएम पुलकित गर्ग ने विद्यालयों में सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।समीक्षा के दौरान बताया गया कि जनपद में कुल 57 विद्यालय ऐसे चिन्हित किए गए हैं जहां सुरक्षा की प्ति से बाउंड्रीवॉल की आवश्यकता है। इनमें से 17 विद्यालयों में बाउंड्रीवॉल का निर्माण पूर्ण कराया जा चुका है। जबकि 40 विद्यालयों में निर्माण कार्य कराया जाना शेष है। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों में बाउंड्रीवॉल का निर्माण शेष है, वहां जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत अथवा ग्राम पंचायत के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराकर समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए। ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में बाउंड्रीवॉल की ऊंचाई सुरक्षा की प्ति से पर्याप्त नहीं है वहां बाउंड्री वॉल के ऊपर कंसल्टीना वायर लगाकर विद्यालय परिसर को और अधिक सुरक्षित बनाया जाए। जिससे आवारा पशुओं एवं अन्य अवांछिततत्वों का परिसर में प्रवेश रोका जा सके।डीएम ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ सभी आवश्यक कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे प्रत्येक विद्यालय में सुरक्षित एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

‘समय पर पूरा कराए निर्माण कार्य’

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने आज राजकीय जिला पुस्तकालय, अभ्युदय कोचिंग सेंटर के निर्माणाधीन सभागार तथा जिला सूचना कार्यालय के प्रस्तावित सौंदर्यीकरण कार्यों का औचक निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अवर अभियंता विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने अवगत कराया कि राजकीय जिला पुस्तकालय में वाटर कूलर, साइकिल स्टैंड, खिड़कियों के सौंदर्यीकरण तथा टफन ग्लास लगाने का कार्य प्रगति पर है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पुस्तकालय परिसर एवं उसके आसपास नियमित एवं प्रभावी साफ सफाई सुनिश्चित की जाए। जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए तथा परिसर

पति की हत्या में पत्नी समेत तीन को उम्रकैद -जिला जज शेषमणि शुक्ला ने सुनया निर्णय

चित्रकूट। फेसबुक में फोटो डालने को लेकर प्रेमी और पति के बीच हुए विवाद में पति के लिए मौत चुनने वाली महिला समेत तीन आरोपियों को जिला जज शेषमणि शुक्ला ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक को पांच-पांच हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्यामसुंदर मिश्रा ने बताया कि बीती 17 फरवरी 2024 को भरतकूप थाना क्षेत्र के रसिन गांव के मजरा फाटापुरवा निवासी रामबाबू मारक की घर में सोते समय गोली फाटकर हत्या कर दी गई थी। इसकी जानकारी होने पर घटना के दूसरे दिन मृतक के पिता रामशरण पटेल ने आज्ञात हत्याओं के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस अधीक्षक ए.के. सिंह द्वारा गठित टीमों ने

प्रतिभागियों ने आत्मसात की संत कबीर की वाणी और भारतीय संगीत परंपरा

चित्रकूट., संत कबीर अकादमी, मगहर (संरुति विभाग, उत्तर प्रदेश) एवं जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय ‘निर्गुन स्वर’ कबीर गायन कार्यशाला का समापन बुधवार को संपन्न हुआ। यह कार्यशाला 27 जुलाई से 5 अगस्त तक आयोजित की गई। जिसमें लगभग 70 प्रतिभागियों ने उत्साहभरक सहभागिता करते हुए संत कबीरदास जी की अमूल्य वाणी, भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं पारंपरिक गायन शैली का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 शिशिर कुमार पाण्डेय ने की। इस अवसर पर अपने संबोधन में कुलपति ने संत कबीर के निर्गुण एवं निर्माही व्यक्तित्व को एक क्रांतिकारी व्यक्तित्व के रूप में व्यक्त करते हुए कहा कि संत कबीर के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और उन्हें पढ़कर नहीं बल्कि अपने कर्तव्य में डालकर निश्चित रूप से उद्दत्त जीवन दर्शन के रूप में अपनाया जा सकता है। उन्होंने कथा के माध्यम से उपस्थित जन समूह को प्रेरित करते हुए बताया इस संत कबीर के विचार शिक्षा की उद्दत्त एवं वस्तु पर कल्पना को प्रस्तुत करते हैं। विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के जीवनपर्यंत कुलाधिपति जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी के निजी सचिव रमापति मिश्र तथा संकाय अध्यक्ष डॉ0 विनोद कुमार मिश्र रहे। कार्यशाला का मार्गदर्शन डॉ0

में वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) की समुचित व्यवस्था विकसित की जाए। राजकीय जिला पुस्तकालय के प्रभारी पीएन शुक्ला को निर्देशित किया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र–छात्राओं को अध्ययन हेतु बेहतर एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।इसके उपरांत डीएम ने अभ्युदय कोचिंग सेंटर के निर्माण्ण पीन सभागार का निरीक्षण किया। उन्होंने अवर अभियंता को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में मैनपावर बढ़ाकर कार्य को शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। साथ ही मुख्य मार्ग से परिसर के अंदर स्थित ग्राउंड तक संपर्क मार्ग निर्माण का प्रस्ताव

तैयार कर शीघ्र प्रेषित करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर डीएम ने जिला सूचना कार्यालय के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अवर अभियंता को कार्यालय के सौंदर्यीकरण के लिए प्रस्ताव तैयार कर टेंडर प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। साथ ही भवन के नवीनीकरण के अंतर्गत बेंचों की व्यवस्था, खिड़कियों का सुधार, शौचालयों का जीर्णोद्धार, छत की मरम्मत सहित अन्य आवश्यक कार्यों का विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. वैभव त्रिपाठी, अवर अभियंता ज्ञानेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग सेंटर का डीएम ने किया शुभारंभ विद्यार्थियों को अनुशासित अध्ययन एवं सोशल मीडिया से दूरी बनाने की दी सलाह

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने राजकीय जिला पुस्तकालय चित्रकूट में संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग सेंटर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूर्ण समर्पण, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ करने के लिए प्रेरित किया। डीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग सेंटर में गत सत्र में यूपीीएससी, यूपीीीएससी, एनडीए, नीट एवं जेईई सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 3०1 छात्र–छात्राएं पंजीत थे। जबकि इस सत्र में यह संख्या 36० हो गई है। उन्होंने कहा कि इच्छुक छात्र–छात्राएं अभी भी इस पूर्णतः निःशुल्क कोचिंग सेंटर में प्रवेश लेकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह कोचिंग सेंटर 1 जुलाई से संचालित है तथा मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों का चयन

विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण कर पीड़ितों को दिलाएं न्याय : एएसपी

चित्रकूट। एएसपी पीयूषकांत राय ने महिला थाना, साइबर थाना एवं क्राइम ब्रांच के विवेचकों का अर्दली रूम किया। इस दौरान लंबित विवेचनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण, महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित अपराधों तथा पॉक्सो अधिनियम के प्रकरणों में संवेदनशीलता बरतते हुए नियमानुसार त्वरित एवं प्रभावी विवेचनात्मक कार्यवाई, साइबर अपराध संबंधी प्रकरणों में तकनीकी एवं डिजिटल साक्ष्यों का समुचित संकलन कर अपराधियों की पहचान एवं उनके विरुद्ध प्रभावी विधिक कार्यवाई, हत्या, लूट, चोरी, धोखाधड़ी सहित अन्य गंभीर एवं संवेदनशील अपराधों की लंबित विवेचनाओं को प्राथमिकता देते हुए साक्ष्य के आधार पर शीघ्र निस्तारित करने तथा विवेचना के दौरान वैज्ञानिक, तकनीकी एवं परिस्थितियन साक्ष्यों का नियमानुसार संकलन करते हुए विवेचना को अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के निर्देश दिए गए। वांछित, फरार अभियुक्तों की शीघ्र गिरतारी के लिए प्रभावी प्रयास करें। कहा कि न्यायालयी कार्यवाहियों का समयबद्ध अनुपालन, पीड़ितों से नियमित संवाद, विवेचना में लापरवाही न बरतने, अभिलेखों को अद्यतन रखें। लंबित विवेचनाओं का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करते हुए पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता हो।

शत प्रतिशत संतृप्त किए जाए कायाकल्प अभियान के पैरामीटर –डीएम ने बैठक कर संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने जनपद के परिषदीय विद्यालयों में संचालित कायाकल्प अभियान की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान कायाकल्प के अंतर्गत निर्धारित 19 पैरामीटरों पर विस्तार से चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में कोई भी पैरामीटर अभी तक संतृप्त नहीं हुआ है उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र संतृप्त कराया जाए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कायाकल्प अभियान के अंतर्गत सभी अवशेष कार्य जैसे विद्यालय में टायलीकरण, पेयजल सुविधा, फर्नीचर, शौचालय आदि का कार्य ग्राम पंचायतों के माध्यम से समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराए जाएं, ताकि प्रत्येक विद्यालय निर्धारित मानकों के अनुरूप विकसित हो सके। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में छात्रों के लिए फर्नीचर उपलब्ध नहीं है, वहां ग्राम पंचायतों के माध् यम से आवश्यक फर्नीचर की व्यवस्था कराई जाए। जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। समीक्षा के दौरान यह भी निर्देश दिए गए कि जिन विद्यालयों में हर घर नल से जल योजना के अंतर्गत पेयजल की आपूर्ति उपलब्ध नहीं है, वहां एडीएम नमामि गंगे संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए जल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। ताकि सभी विद्यालयों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

डीएम ने कहा कि कायाकल्प अभियान शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे में सभी संबंधित विभाग एवं अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सभी 19 पैरामीटरों की शत प्रतिशत संतुष्टि समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करें। जिससे विद्यालयों में विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

चकबंदी प्रक्रियाधीन ग्रामों की डीएम ने की समीक्षा

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के चकबन्दी प्रक्रियाधीन ग्रामों की समीक्षा की गई। इस दौरान न्यायालय चकबन्दी अधिकारी मानिकपुर के पेशकार अभय श्रीवास्तव को निर्णीत पत्रावलियों का समय से दाखिल न करने पर कड़ी फटकार लगाई। बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी को निर्देशित किया गया कि विभागीय कार्यवाही की जाये। बैठक में न्यायालय लिपिकों के पूरे दिन न्यायालय में न बैठने पर भी नराजगी व्यक्त की गई। वर्तमान समय में तरमीम के स्तर पर एक ग्राम, पड़ताल के स्तर पर एक ग्राम, मालियत के स्तर चार ग्रामों में सहायक चकबन्दी अधिकारी द्वारा मालियत लगाई जा रही है तथा एक ग्राम देहरूछ माफी में सहायक चकबन्दी अधिकारी द्वारा चक सृजन का कार्य प्रारम्भ है। धारा 52 में लक्षित ग्राम सिकलीसालिस व खरौंछ के अंतिम भूचित्र का निर्माण किया जा रहा है। मानचित्रकार द्वारा बताया गया कि दोनों ग्रामों के भूचित्र जल्द ही पूर्ण कर उपलब्ध ा करा दिया जायेगा। ग्राम ऐंचवारा व बाबूपुर के आकार पत्र 41 तैयार करने के लिए 30 सितम्बर व 31 दिसम्बर की समयसीमा नियत की गई है। समीक्षा बैठक में बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी ने अवगत कराया कि ग्राम महरूछ, मिर्जापुर व लठागुडऊपुर में धारा 52 तथा 11 ग्राम कौंडर, औदहा, ओरा, दरसेड़ा, पिलखिनी, डुडौली, लदेहटा, भदेहदू बांगर, अगरहुण्डा, तेरा बुजुर्ग, गढ़वारा में धारा 6 के अन्तर्गत डिनोटीफाई कराया गया। इस मौके पर एडीएम न्यायिक अरुण कुमार, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी मनोहर लाल वर्धन, चकबंदी अधिकारी संजय शुक्ला, शरद चंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

चौपाल में समस्याएं एडीएम न्यायिक अरुण कुमार ने सुनीं

चित्रकूट। चकबन्दी आयुक्त व डीएम के निर्देशन में तहसील मानिकपुर के ग्राम ऐंचवारा के पंचायत भवन में एडीएम न्यायिक अरुण कुमार की अध्यक्षता में चकबन्दी ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। ग्राम चौपाल में हिस्सा दुरुस्ती, कीमत व चकों की पैमाइस संबंधी लगभग 26 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। ग्राम चौपाल में उन्नत प्रसाद, रामसिया, गया प्रसाद आदि द्वारा पैमाइसी, बोधन, रामनारायन, रामसिया, मातावदल, मुनिया द्वारा रकबा कमीबेशी की शिकायत की गई। उनको अवगत कराया गया कि न्यायालय चकबन्दी अधिकारी मानिकपुर में आपत्ति योजित करें। ग्राम चौपाल में पकों को चकबन्दी प्रक्रिया एवं उसके लाभों के बारे में अवगत कराया गया। चकबन्दीकार्य एवं चकबन्दी लेखपाल को निर्देशित किया गया कि ग्राम प्रधान की उपस्थिति में ग्रामसभा भूमि का स्थलीय सत्यापन किया जाये। यदि मौके पर किसी का कब्जा पाया जाता है तो तहसील स्टॉफ से संपर्क कर उसको कब्जामुक्त किये जाने की कार्यवाही की जाये।

आढ़ती की तबीयत बिगड़ी तो रास्ते में उतारकर फरार हुआ था ई-रिक्शा चालक फराज

मेरठ। बुधवार को देहली गेट थाना क्षेत्र में फल आढ़ती की संदिग्ध मौत में पुलिस ने फरार चल रहे ई–रिक्शा चालक को धर दबोचा। पूछताछ में सामने आया कि ई–रिक्शा में आढ़ती की तबीयत खराब होने पर शुरुआत में चालक ने उसकी मदद की कोशिश की। लेकिन, जब हालत बिगड़ती चली गई तो घबराहट में ई–रिक्शा चालक आढ़ती को बेहोशी की हालत में सड़क पर उतारकर फरार हो गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी आढ़ती की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। जिसके चलते उसका बिसरा सुरक्षित रख लिया गया है।सीओ कोतवाली संग्राम सिंह ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने आढ़ती को सड़क पर फेंक कर जाने वाले ई–रिक्शा चालक की पहचान की। इसके बाद ऊंचा सड़क नगर निवासी ई–रिक्शा चालक फराज अहमद को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। फराज ने बताया कि फल आढ़ती आस मोहम्मद उर्फ बबलू भूमिया के पुल से उसके ई–रिक्शा में घंटाघर जाने के लिए सवार हुआ था। ई–रिक्शा में एक अन्य सवारी भी बैठी हुई थी। रास्ते में अचानक आस मोहम्मद की तबीयत खराब हो गई। जिसके चलते ई–रिक्शा चालक फराज ने कुछ दुकानदारों आदि की मदद से मुंह पर पानी के छीटें मारकर आस मोहम्मद को होश में लाने का प्रयास भी किया।लेकिन, इसके बाद आस मोहम्मद की हालत और बिगड़ गई। जिसके बाद घबराहट में फराज बेहोश आस मोहम्मद को देहली गेट थाना क्षेत्र में शिव चौक पर सड़क किनारे फेंक कर फरार हो गया।सीओ कोतवाली ने बताया कि आस मोहम्मद की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर किसी चोट की पुष्टि नहीं हुई है। मौत का कारण भी स्पष्ट नहीं है। जिसके चलते उसका बिसरा सुरक्षित रखते हुए लैब में जांच के लिए भेजा जाएगा। बताते चलें कि ई–रिक्शा चालक फराज बेहोश आस मोहम्मद को सड़क पर फेंक कर फरार हो गया था। अस्पताल में डॉक्टरों ने आस मोहम्मद को मृत घोषित कर दिया था।

मेरठ में आधी रात को जमकर बरसा सावन, उमस और गर्मी से मिली राहत

मेरठ। मानसून एक बार फिर से एनसीआर पर मेहरबान है। बुधवार की रात से लगातार बरसात जारी है। पिछले दो दिनों 65 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है। नमी युक्त बादलों का बड़ा समूह एनसीआर के ऊपर बना हुआ है। मेरठ, सहारनपुर, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, मथुरा, लखनऊ, कानपुर और प्रयागराज समेत बड़े भूभाग के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।जुलाई में सामान्य की तुलना में मेरठ में बढ़ाई गुना अधिक बरसात 585 मिलीमीटर हुई है। एक जून से 3६ जुलाई तक मेरठ में सामान्य से 83 प्रतिशत अधिक बरसात हुई है। वहीं पश्चिम उग्र के 33 जिलों में अब तक मानसून की बरसात सामान्य से कम 16 प्रतिशत कम हुई है। गुरुवार को हो रही बरसात बड़े भू भाग पर हो रही है। ऐसे में अन्य जिलों बरसात की कमी के कुछ हद तक पूरा होने की संभावना है। आधी रात शुरू हुई बारिश का सिलसिला गुरुवार सुबह तक रुक–रुककर जारी रहा। बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को उमस से राहत मिली। हालांकि कई स्थानों पर जलभराव की समस्या भी देखने को मिली।पूरे दिन उमस ने किया बेहाल, रात में बदला मौसमबुधवार सुबह से ही वातावरण में नमी अधिक रहने के कारण लोग पसीने से तरबतर रहे। दोपहर में हल्की फुहार पड़ी, लेकिन इससे राहत नहीं मिली। शाम होते–होते आसमान में काले बादल छा गए और आधी रात के बाद तेज बारिश शुरू हो गई। गुरुवार सुबह भी कई इलाकों में रिमझिम और तेज बारिश का दौर जारी रहा।बारिश से कांवड़ियों को मिली राहतदिल्ली–देहरादून हाईवे पर कांवड़ यात्रा कर रहे शिवभक्तों को बुधवार तक उमस और गर्मी का सामना करना पड़ रहा था। रात की बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया, जिससे पैदल चल रहे कांवड़ियों को काफी राहत मिली। हाईवे किनारे लगे सेवा शिविरों में श्रद्धालुओं को पेयजल, शरबत और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध ा कराई जा रही हैं।कई इलाकों में जलभराव, यातायात भी प्रभावितलगातार बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों और प्रमुख सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई। सुबह दफ्तर और स्कूल जाने वाले लोगों को भीगते हुए निकलना पड़ा। बारिश के चलते कई स्थानों पर वाहनों की रफ्तार भी धीमी रही।अगले 24 घंटे भी बारिश के आसार कृ षि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही के अनुसार मानसून सक्रिय बना हुआ है। अगले 24 घंटे के दौरान जिले में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। बादलों की आवाजाही बनी रहेगी, जिससे तापमान में और गिरावट आ सकती है तथा मौसम सुहावना बना रहेगा। चौधूरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की मौसम वेधशाला के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एयर क्वालिटी इंडेक्स (।फ़पे) 51 रहा। गंगानगर में ।फ़पे 44, जयभीम नगर में 50, एमआईईटी कॉलेज में 81 और पल्लवपुरम में 59 दर्ज किया गया।

बारिश में भी नहीं थमे शिवभक्तों के कदम, जयघोष से गूंजता रहा हाईव

मेरठ। सावन की झमाझम बारिश और शिवभक्ति का अदभुत संगम गुरुवार को दिल्ली–देहरादून हाईवे पर देखने को मिला। बुधवार देर रात शुरू हुई बारिश गुरुवार को भी रुक–रुककर जारी रही, लेकिन कांवड़ियों की आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं आई। बारिश की बूंदों के बीच भगवा रंग में रंगे शिवभक्त श्वम भोलेश और शहर–हर महादेवष के जयघोष के साथ अपनी मंजिल की ओर बढ़ते रहे।हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों की भारी भीड़ दिल्ली–देहरादून हाईवे पर लगातार आगे बढ़ती रही। कोई पैदल कांवड़ लेकर चल रहा था तो कोई सजी–धजी झांकी कांवड़ के साथ यात्रा कर रहा था। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं के चेहरे पर उत्साह और भक्ति साफ दिखाई दे रही थी। लगातार बारिश के कारण कई जगह सड़कें फिसलन भरी हो गईं और जलभराव भी देखने को मिला। कांवड़ियों के कपड़े भीग गए और पैरों में कीचड़ लग गया, लेकिन किसी ने अपनी यात्रा नहीं रोकी। श्रद्धालुओं का कहना था कि बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक उनका संकल्प है और रास्ते की हर कठिनाई उनके लिए आस्था की परीक्षा है। बारिश से बचने के लिए कई कांवड़ियों ने तिरपाल और पन्नी का सहारा लिया। कुछ देर विश्राम करने के बाद उन्होंने फिर कांवड़ कंधे पर उठाई और अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए। हाईवे पर भीगते कदमों के साथ बढ़ती आस्था का दृश्य हर किसी का ध्यान आकर्षित कर रहा था। दिल्ली–देहरादून हाईवे पर जगह–जगह लगाए गए सेवा शिविरों में बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं की सेवा जारी रही। शिवभक्तों को गर्म चाय, भोजन, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई गई। बारिश में भीगकर पहुंचे श्रद्धालुओं का सेवा शिविरों में स्वागत किया गया। पूरे मार्ग पर शहर–हर महादेवष और श्वम भोलेश के जयघोष से माहौल पूरी तरह शिवमय बना रहा।

खिलाड़ियों की फिटनेस पर बीसीसीआई सरल, ब्रोंको टेस्ट के नए नियम लागूय पास करना अब होगा और मुश्किल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम में जगह बनाने और बनाए रखने के लिए खिलाड़ियों को अब पहले से कहीं अधिक कड़ी फिटनेस परीक्षा से गुजरना होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने ब्रोंको टेस्ट के मानकों को और सख्त कर दिया है। अब खिलाड़ियों को 1200 मीटर की दौड़ 5 मिनट 15 सेकंड से 5 मिनट 20 सेकंड के भीतर पूरी करनी होगी, जबकि पहले इसके लिए 6 मिनट का समय निर्धारित था।इसके अलावा, 2 किलोमीटर दौड़ के लिए भी 9 से 10 मिनट की समय सीमा तय की गई है। पहले खिलाड़ियों की फिटनेस जांच के लिए यो—यो

टेस्ट का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब ब्रोंको टेस्ट को प्राथमिक फिटनेस परीक्षण बना दिया गया है।

बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस ने खिलाड़ियों में बढ़ती चोटों और गिरते फिटनेस स्तर को देखते हुए यह फैसला लिया है। इसके साथ ही बीसीसीआई ने टीम मैनेजमेंट और मेडिकल स्टाफ के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए नए न्यूनतम फिटनेस मानदंड (बेस पैरामीटर्स) भी तय किए हैं।बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, पिछले एक वर्ष के दौरान फिटनेस मानकों का सख्ती से पालन नहीं किया गया था। कुछ वरिष्ठ

94 किलोग्राम बताया जा रहा है



और अगले सप्ताह तक उन्हें पूरी तरह फिट घोषित किए जाने की संभावना है।

जियानी इन्फेंटिनो ने मांगी माफी, फीफा प्रमुख बने रहने के लिए मिला सीनियर अधिकारियों का साथ

रबात ,०6 अगस्त ,। फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो ने माना है कि वर्ल्ड कप को निजी निवेशकों को बेचने की कोशिश में गलतियां हुईं और उन्होंने अपनी गलतियों के लिए माफी मांगी है। हालांकि, मोरक्को में हुई संकटकालीन बैठक के दौरान सीनियर अधिकारियों ने इन्फेंटिनो के फीफा प्रमुख बने रहने का समर्थन किया। इन्फेंटिनो को फीफा फॉरवर्ड एंटरप्राइज (एफएफई) बनाने की अपनी योजना वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह कंपनी फीफा के टूर्नामेंट्स के कमर्शियल और ऑपरेशनल पहलुओं को चलाने के लिए बनाई जानी थी। यूईएफए, कॉनकाकैफ, एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) और कई राष्ट्रीय संघों के साथ—साथ फीफा के अंदर से भी इस योजना का भारी विरोध हुआ था। इसके साथ ही फीफा के अंदर भी इस योजना की काफी आलोचना हुई। बैठक में मौजूद सेक्रेटरी जनरल मैटियास ग्राफस्ट्रॉम ने फीफा स्टाफ को भेजे एक आंतरिक ज्ञापन में लिखा कि यह स्थिति घटनाओं की एक

कहा कि वो अपने विजन यानी अपने प्लान को पूरा करने के लिए फीफा के महासचिव और फीफा प्रशासन की टीम के साथ हैं। उन्होंने उनके मेहनती और शानदार काम की तारीफ की और पूरा सपोर्ट देने की बात दोहराई। फीफा ने कहा कि संकटकालीन बैठक में फॉरवर्ड एंटरप्राइज (एफएफई) प्रपोजल पर भी बात हुई, जिसमें हुई गलतियों को माना गया। इस बात पर सहमति बनी कि फीफा काउंसिल और फीफा मेंबर एसोसिएशन का मकसद यह महसूस करना नहीं था कि उन्हें प्रोसेस से बाहर रखा गया है और प्रोसेस को अलग तरीके से हैंडल किया जाना चाहिए था। यह भी माना गया कि प्रपोजल

के मीडिया में लीक होने के बाद भी गलतियां हुईं। इन गलतियों के लिए फीफा काउंसिल और फीफा के सभी मेंबर देशों से एक अलग चिट्ठी में माफी मांगी गई थी। इसके साथ ही ये वादा भी किया गया कि आगे से ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। फीफा ने कहा, अब एक रिव्यू किया जाएगा, और फीफा काउंसिल की अगली तय बैठक में एक रिपोर्ट पेश की जाएगी। हालांकि, बयान में यह भी कहा गया कि प्रोजेक्ट वापस लेने के साथ, यह सहमति बनी है कि फीफा अब अपनी ईमानदारी, अच्छे शासन और सही प्रोसेस पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और अपने नाम और प्रतिष्ठा को बचाने और सुरक्षित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। इसमें कहा गया, हमेशा सीखने के लिए सबक होते हैं, और फीफा इस अनुभव को देखते हुए अपने प्रोसेस में सुधार करता रहेगा।

2000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर लगेगा चार्ज? जाने आम यूजर्स पर कितना पड़ेगा असर

नई दिल्ली ,। हाल ही में वित्त मंत्रालय ने संसद में श्रुगतान और निपटान प्रणाली (संशोधन) विधेयक, 202७च पेश किया है। इस बिल में मर्चेंट डिस्काउंट रेट को फिर से लागू करने का प्रस्ताव है, जिसके तहत 2000 रुपये से ज्यादा के भुगतान पर चार्ज लगाने की बात कही गई है। इस खबर के बाहर आते ही सोशल मीडिया पर तरह—तरह के दावे और भ्रम फैलने लगे कि अब आम लोगों को यूपीआई से पेमेंट करने पर अपनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। लेकिन, सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। आइए विस्तार से समझते हैं कि आखिर यह 2000 रुपये की लिमिट क्या है और इसका सीधा असर किस पर पड़ेगा।आम यूजर्स पर नहीं पड़ेगा कोई असरखरसे पहले यह साफ कर लें कि इस नए प्रस्ताव का आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। अगर आप दूध, सब्जी,

राशन, किराने का सामान खरीदते हैं या फिर ऑटो—टैक्सी का किराया चुकाते हैं, तो आपको पहले की तरह कोई चार्ज नहीं देना होगा। सूत्रों के मुताबिक, यह प्रस्ताव विशेष रूप से 2000 रुपये से अधिक लिमिट और भी ज्यादा है।मर्चेंट डिस्काउंट रेट वह शुल्क (चार्ज) होता है, जो कोई व्यापारी डिजिटल पेमेंट स्वीकार करने के एवज में बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को चुकाता है। आसान भाषा में समझें तो यह चार्ज उपभोक्ताओं को नहीं, बल्कि उस व्यापारी (मर्चेंट) को देना होगा जो पेमेंट ले रहा है। यह नियम मुख्य रूप से बैंक, यूपीआई सर्विस प्रोवाइडर्स और बड़े व्यापारियों के इकोसिस्टम को प्रभावित करेगा।

सिर्फ 5त्न लेन—देन ही आएंगे इसके दायरे में।आंकड़ों पर नजर डालें तो यूपीआई के जरिए होने वाले 95 फीसदी ट्रांजेक्शन 2000

रुपये से कम के ही होते हैं। यानी यह नया एमडीआर (रुष्ठक) चार्ज सिर्फ उन 5 फीसदी ट्रांजेक्शन पर ही लागू होगा जो 2000 रुपये से अधिक के होंगे और मर्चेंट अकाउंट में जाएंगे।कितना लगेगा चार्ज और कब से होगा लागू?

2000 रुपये से ज्यादा के व्यावसायिक लेन—देन पर यह प्रस्तावित शुल्क ०.25त्न से लेकर ०.4त्न के बीच हो सकता है। फिलहाल 25 से 30 बेसिस पॉइंट्स तक का चार्ज लगाने पर भी गंभीरता से चर्चा चल रही है। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस नियम को लागू करने की कोई तय समयसीमा (डेडलाइन) निर्धारित नहीं की है। गौरतलब है कि सरकार ने डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के लिए जनवरी 2020 में यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड से होने वाले लेन—देन पर एमडीआर चार्ज लगाने पर रोक लगा दी थी।

तमिलनाडु सरकार का बड़ा कदम, 22500 लोगों को दी जाएगी इलेक्ट्रिक वाहन सर्विसिंग की ट्रेनिंग

चेन्नई,। तमिलनाडु सरकार अगले पांच साल में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सर्विसिंग में 22,500 लोगों को ट्रेनिंग देने के लिए एक खास स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू करेगी। इसमें सड़क किनारे काम करने वाले 12,500 टू—व्हीलर और फोर—व्हीलर मैकेनिक भी शामिल होंगे। सरकार राज्य के पारंपरिक ऑटोमोबाइल वर्कशॉप्स को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव के लिए तैयार कर रही है।2026—27 के संशोधित बजट में घोषित इस पहल के लिए मौजूदा वित्त वर्ष में 3 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसका मकसद उन मैकेनिक्स को जरूरी टेक्निकल स्किल्स सिखाना है, जो अभी पेट्रोल और डीजल गाड़ियों की सर्विसिंग पर निर्भर हैं, ताकि वे ईवी और, उनके बैटरी सिस्टम की मरम्मत और रखरखाव कर सकें।श्रम विभाग के सूत्रों ने बताया कि यह प्रस्ताव श्रम और कौशल विकास मंत्री जे.

मोहम्मद फरवास के साथ बजट—पूर्व बैठक के दौरान पारंपरिक ऑटोमोबाइल मैकेनिक्स की ओर से रखी गई बातों के बाद तैयार किया गया मैकेनिक्स ने खास ट्रेनिंग की मांग की थी ताकि वे ऑटोमोबाइल सेक्टर में तेजी से हो रहे बदलावों के हिसाब से खुद को ढाल सकें, क्योंकि इलेक्ट्रिक टू—व्हीलर और कारें तेजी से आम होती जा रही हैं।अधिकारियों ने बताया कि सड़क किनारे काम करने वाले मैकेनिकों के पास आम तौर पर इंटरनल कंबशन इंजन वाले वाहनों की मरम्मत का काफी व्यावहारिक अनुभव होता है, लेकिन अक्सर उनके पास ईवी टेक्नोलॉजी की औपचारिक ट्रेनिंग नहीं होती है। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी पैक, इलेक्ट्रिक मोटर, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, डायग्नोस्टिक सिस्टम और हाई—वोल्टेज कॉम्पेनेंट्स से जुड़ अलग तरह के कौशल की जरूरत होती है।प्रस्तावित प्रोग्राम में ईवी सर्विसिंग,

आकाश चोपड़ा ने बताया, क्यों श्रीलंका टेस्ट सीरीज में सारांश जैन को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलना मुश्किल

नई दिल्ली । भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 13 अगस्त होने जा रहा है। सारांश जैन को इस सीरीज के लिए पहली बार भारतीय टीम में चुना गया है। हालांकि, भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि सारांश को इस सीरीज में प्लेइंग इलेवन में मौका मिलना मुश्किल नजर आ रहा है। आकाश चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में बताया क्यों श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में सारांश को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलना मुश्किल है। उन्होंने बताया, मुझे अभी भी लग रहा है कि सारांश को प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिलेगा। श्रीलंका की टीम का अभी ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन मुझे लगता है कि जब टीम का ऐलान होगा भी तब भी उसमें शायद एक ही बाएं हाथ का बल्लेबाज होगा। भारत के पास चार स्पिनर मौजूद



का टेस्ट डेब्यू होना उन्हें काफी मुश्किल लग रहा है। भारतीय टीम का रिकॉर्ड टेस्ट में श्रीलंका

के खिलाफ शानदार रहा है। दोनों टीमों के बीच कुल 46 टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं,।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में टीम इंडिया का रिकार्ड दमदार, 2015 में मिली थी आखिरी हार

नई दिल्ली,। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 13 अगस्त से होने जा रहा है। सीरीज में हिस्सा लेने के लिए भारतीय टीम बुधवार को श्रीलंका पहुंच चुकी है। मेजबान टीम के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड दमदार रहा है। भारत और श्रीलंका के बीच अब तक कुल 46 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इसमें से 22 मुकाबलों में टीम इंडिया ने जीत दर्ज की है, जबकि 7 मैचों में श्रीलंका ने बाजी मारी है। 17 मुकाबले ड्रां पर खत्म हुए हैं। खास बात यह है कि भारत ने श्रीलंका के खिलाफ खेले आखिरी 10 टेस्ट मैचों में एक बार भी हार का सामना नहीं किया है। भारत को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में आखिरी हार साल 2015 में मिली थी यानी पिछले 11 साल से भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ अजेय रही है। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आगाज से पहले ही बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी

इंजरी से न उबर पाने के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। बुमराह के स्थान पर जम्मू—कश्मीर के युवा गेंदबाज आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है।आकिब ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अपने



प्रदर्शन से हर किसी का ध्यान खींचा है। वह जम्मू—कश्मीर की ओर से भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। वहीं, साई सुदर्शन की फिटनेस पर भी अभी सवाल है, हालांकि क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, सुदर्शन

लार्स्टिक के नोट कब आएंगे? आरबीआई गवर्नर ने 10-20 के पालिמר नोट पर दी बड़ी अपडेट

नई दिल्ली ,.। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश में पॉलिमर (प्लास्टिक) बैंक नोटों को प्रचलन में लाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि फिलहाल पॉलिमर नोटों का फील्ड ट्रायल जारी है और इसके नतीजों के आधार पर ही इन्हें बड़े पैमाने पर जारी करने का फैसला लिया जाएगा। केंद्रीय बैंक का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027—28 तक इन नोटों को बाजार में उतारने का है।।मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में आरबीआई गवर्नर ने कहा कि पॉलिमर बैंक नोटों के पायलट प्रोजेक्ट के तहत विभिन्न परिस्थितियों में इनके प्रदर्शन का परीक्षण किया जा रहा है। बड़े स्तर पर जारी करने से पहले

है सुनिश्चित किया जाएगा कि ये नोट भारतीय मौसम, उपयोग की प्रकृति और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप टिकाऊ और प्रभावी साबित हों।उन्होंने बताया कि फील्ड ट्रायल के दौरान पालिमर नोट पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में अधिक समय तक चलते हैं। विशेष रूप से छोटे मूल्यवर्ग के नोट, जिनका उपयोग सबसे अधिक होता है और जो जल्दी खराब हो जाते

हैं, उनके लिए यह बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। इससे नोटों की बार—बार छपाई और प्रतिस्थापन पर आने वाली लागत



में भी कमी आने की संभावना है।पॉलिमर नोटों में उन्नत सुरक्षा तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इनमें पारदर्शी विंडो सहित कई आधुनिक सुरक्षा फीचर शामिल परिस्थितियों में पॉलिमर नोटों के किए जा सकते हैं, जिससे नकली नोटों की पहचान आसान होगी और जालसाजी पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि

भारतीय शेयर बाजार की सपाट शुरुआत, डिफेंस स्टॉक्स में खरीदारी

मुंबई ,। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत गुरुवार को करीब सपाट हुई। सुबह 9रु२7 पर सेंसेक्स 163 अंक या ०.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 78,743 और निफ्टी 13 अंक या ०.06 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 24,636 पर था।शुरुआती कारोबार में बाजार में खरीदारी को सपोर्ट डिफेंस शेयरों से मिल रहा है। सूचकांक में निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.25 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएस्पू बैंक, निफ्टी हेल्थकेयर में निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.25 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएस्पू बैंक, निफ्टी हेल्थकेयर में निफ्टी ऑयल एंड गैस भी हरे निशान में थे। दूसरी तरफ, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी

आईटी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी पीएसई लाल निशान में थे।

छोटे और मझोले शेयरों में



भी मिश्रित कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 78 अंक या ०.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 63,527 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 79 अंक या 0.38 प्रतिशत की तेजी

के साथ 19,859 पर था। सेंसेक्स पैक में टाइटन, इटरनल, बीईएल, एसबीआई, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, भारतीय एयरटेल और सन फार्मा गेनर्स थे। पावर ग्रिड, ट्रेंट, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टीडीएस, एनटीपीसी, कोटक इंडिया बैंक, मार्फ्टि सुपुकी, इन्फोसिस,एचडीएफसी बैंक और इंडिगो लूजर्स थे। वैश्विक बाजारों में भी मिश्रित कारोबार हो रहा

था। टोक्यो, हांगकांग, सोल और जकातू लाल निशान में थे। वहीं, शंघाई हरे निशान में था। बुधवार के सत्र में अमेरिकी शेयर बाजार में मुख्य सूचकांक डाओ जॉन्स ०.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ, जबकि टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक 0.83 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।जानकारों ने कहा कि बाजार में उतार—चढ़ाव और कमजोरी के बावजूद, सपोर्ट लेवल अभी भी काफी हद तक बने हुए हैं। इससे ऊपर की ओर एक मजबूत उछाल की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि, 24775 का लेवल पार करना अभी भी जरूरी है, लेकिन 24,650 के ऊपर सीधे जाने से संभावित ब्रेकाउट मूव की शुरुआत हो सकती है।

